मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 327
शनिवार, 21 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पुरुलिया जिले में एनएच-18 पर एसयूवी और ट्रक की टक्कर में नौ लोगों की मौत

पुरुलिया, 20 जून। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बलरामपुर थाना क्षेत्र के नामशोल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 18 पर हुआ, जब पीड़ित एक शादी समारोह से लौट रहे थे। नामशोल में बोलेरो की तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई। पीड़ित पुरुलिया के बड़ाबाजार थाना क्षेत्र के अदबाना गांव से झारखंड के नीमडीह थाना क्षेत्र के तिलाईटांड जा रहे बोलेरो वाहन में सवार थे।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जिले के बलरामपुर पुलिस थाने की सीमा के भीतर नामशोल गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-18 पर सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई। बलरामपुर पुलिस थाने के प्रभारी सौम्यदीप मलिक ने बताया, राजमार्ग पर एक एसयूवी और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें चार पहिया वाहन में सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पहचान से परे क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एसयूवी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय निवासी और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और यात्रियों को बचाने की कोशिश की। प्रयासों के बावजूद, सभी नौ व्यक्तियों को पास के प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र में मृत घोषित कर दिया गया। एक स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी ने इस दृश्य को भयावह बताया: टक्कर बहुत जोरदार थी। हमने मदद करने की कोशिश की, लेकिन नुकसान बहुत गंभीर था। पुलिस ने जांच शुरू की, तेज गति से वाहन चलाने का संदेह पुरुलिया के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने घटना की पुष्टि की और कहा कि दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है। प्रारंभिक निष्कर्ष इस त्रासदी के पीछे तेज गति से वाहन चलाने और चालक की लापरवाही को संभावित कारण बताते हैं। फोरेंसिक टीमें भी घटनाओं के क्रम को जोड़ने के लिए मलबे की जांच कर रही हैं। गांवों में शोक की लहर पीड़ितों के गृह गांव शोक में डूब गए हैं। जो एक खुशी भरा पारिवारिक अवसर था, वह एक अकल्पनीय त्रासदी में बदल गया। शवों की पहचान और अंतिम संस्कार की व्यवस्था में सहायता के लिए अधिकारी शोक संतप्त परिवारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भद्राद्री-कोठागुडेम में 12 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ़, 20 जून। छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में बृहस्पतिवार को प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)-माओवादी के 12 सदस्यों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में नौ पुरुष और तीन महिला माओवादी शामिल हैं। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दो डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी सदस्य), चार एसीएम (एरिया कमेटी सदस्य), दो पार्टी सदस्य और इतनी ही संख्या में मिलिशिया सदस्य तथा आरपीसी (क्रांतिकारी पीपुल्स कमेटी) के सदस्य शामिल हैं।

विज्ञप्ति के मुताबिक, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया। विज्ञप्ति में बताया गया कि उन्हें (माओवादियों को) भद्राद्री-कोठागुडेम पुलिस के ऑपरेशन च्युथा (सहायता) के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों और आदिवासी लोगों के लिए किए जा रहे कल्याणकारी उपायों के बारे में भी पता चला।

आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक माओवादी को 25,000 रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता दी जाएगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, उनके (माओवादियों के) आधार कार्ड और बैंक खातों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के बाद उनकी रैंक के अनुसार उनके बैंक खातों में 26 लाख रुपये जमा किए जाएंगे।

इसमें कहा गया कि इस वर्ष अब तक भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में 294 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें आज (बृहस्पतिवार) हथियार डालने वाले भी शामिल हैं।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने बर्खास्त स्कूल कर्मचारियों को सहायता देने पर लगाई रोक

कोलकता, 20 जून। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार से कहा है कि वह शीर्ष अदालत के आदेश के बाद बर्खास्त किए गए गैर-शिक्षण स्कूल कर्मचारियों को 26 सितंबर तक आर्थिक सहायता न दे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2016 की भर्ती प्रतीक्षा सूची में शामिल उम्मीदवारों की याचिका के बाद नौकरी से निकाले गए ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते प्रदान करने के दिशा-निर्देशों को खारिज कर दिया। बंगाल सरकार के सहायता देने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाते हुए जस्टिस अमृता सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते नहीं

दे सकती। यह रोक 26 सितंबर तक लागू रहेगी।

याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद अनियमितताओं के कारण बर्खास्त किए गए लोगों को 25,000 रुपये और 20,000 रुपये भत्ते प्रदान करना भ्रष्टाचार को पुरस्कृत करने के बराबर है। अदालत के इस फैसले को कई लोग ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए झटका मान रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि इस आदेश से राज्य को अस्थायी तौर पर कई करोड़ रुपये के वित्तीय बोझ से राहत मिली है। अदालत के हस्तक्षेप से न केवल भत्ते रुक गए हैं, बल्कि बर्खास्त कर्मचारियों से जुड़े सभी मामले न्यायिक जांच के दायरे में आ गए हैं। इससे राज्य सरकार को अपने रुख को अच्छे इरादे और कानूनी बाधाओं के बीच संघर्ष के रूप में पेश करने का मौका मिल सकता है - एक ऐसा कथानक जिसका इस्तेमाल वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संभावित रूप से कर सकती है।

टाउनहॉल गोमती व्यापारियों ने उठाई आवाज, कहा- स्मार्ट सिटी के नाम पर हो रहा अन्याय

- **कमिश्नर, डीएम व नगर आयुक्त को सौंपा पत्रक, मिला कार्रवाई का आश्वासन, पर व्यापारियों में असंतोष बरकरार**

सुरेश गांधी

वाराणसी। स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों में हो रही अनियमितताओं और व्यापारियों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ टाउनहॉल गोमती व्यवसायी समिति व वाराणसी व्यापार मंडल के बैनर तले व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया। व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा और समिति अध्यक्ष सुजीत वर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर, संयुक्त पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसके पश्चात नगर निगम जाकर नगर आयुक्त को भी व्यापारियों की समस्याएं विस्तार से बताई गईं। व्यापारियों ने स्पष्ट कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की पूरी उम्मीद है और वे अंतिम निर्णय तक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखते रहेंगे।

व्यापारियों की मुख्य समस्याएं-

1. स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बनी दुकानों में पर्याप्त स्थान नहीं दिया गया।

2. 878 की दुकान के बदले केवल 3 फीट रास्ता छोड़ा गया है।3. निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहद खराब है, दुकानों का स्वरूप ह्यरैन बसेराह्न जैसा लगता

है। 4. पहले किराया 250-300 था, अब 2500 माँगा जा रहा है, जो अनुचित है।

5. गोमती परिसर के पीछे 30 फुट और सड़क के पीछे 25 फुट खाली जगह का उपयोग दुकानों के लिए करने का कई बार प्रस्ताव दिया गया, पर उसे नजरअंदाज कर दिया गया।

6. मुख्यमंत्री पोर्टल (रेफ. नंबरः 40019725020928) पर शिकायत दर्ज होने के बावजूद कोई समाधान नहीं मिला।

नगर आयुक्त ने दिया आश्वासन, पर व्यापारियों को संतोष नहीं

नगर आयुक्त से मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि आप फिलहाल आगे की दुकानें ले लें, एक महीने में यदि व्यापार नहीं चला तो मैं वादा करता हूं कि पीछे की खाली जगह में दुकानें बनवाकर दूंगा। हालांकि यह आश्वासन व्यापारियों को संतुष्ट नहीं कर पाया। उनका कहना है कि जब दुकानें चल ही नहीं पाएंगी तो उन्हें लेने का कोई औचित्य नहीं बनता। व्यापारियों ने यह भी कहा कि वे आंदोलन के लिए बाध्य न हों, इसके लिए सरकार को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रमुख व्यापारी नेताओं की मौजूदगी इस प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, महामंत्री कविन्द्र जायसवाल, गोमती समिति अध्यक्ष सुजीत वर्मा, प्रमोद जायसवाल, साहेब लाल, झारखंडे यादव, शनि वर्मा, अनिल यादव, शेखर पटेल, विनोद, इस्तियाक अहमद, राकेश, शिव, पवन समेत सैकड़ों व्यापारी उपस्थित थे।

संघर्ष समिति और प्रबंध निदेशक के बीच हुई वार्ता, संविदाकर्मियों के कटे वेतन की होगी भरपाई

वाराणसी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में चल रहे कर्मचारियों के आंदोलन के बीच संघर्ष समिति उ.प्र. के पदाधिकारियों और प्रबंध निदेशक के बीच शुक्रवार को वार्ता हुई। समिति ने संविदाकर्मियों के कटे वेतन, निजीकरण विरोध, फेसिअल अटेंडेंस की समस्या और स्थानांतरण विवाद सहित पांच प्रमुख मांगें रखीं। प्रबंध निदेशक ने कटे वेतन की जल्द भरपाई और अटेंडेंस के लिए उपकेंद्रों पर कैमरा सिस्टम लगाने का आश्वासन दिया। स्थानांतरण विवाद पर संगठन ने स्पष्ट संशोधन पत्र की मांग की है। समिति ने बताया कि अनिश्चितकालीन सत्याग्रह फिलहाल स्थगित है, लेकिन बैठक के मिनट्स मिलने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

बरईपुर में हुई जनजागरण सभा में उपभोक्ताओं ने भी निजीकरण का विरोध किया। अगली सभा शनिवार को सिगरा अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर होगी।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उ.प्र., वाराणसी मीडिया प्रभारी अंकुर पाण्डेय के अनुसार, संघर्ष समिति ने इस दौरान पांच प्रमुख मांगें रखीं–संविदाकर्मियों का कट वेतन वापस करने, निजीकरण प्रस्ताव को निरस्त करने की अनुशंसा शासन को भेजने, वर्ष 2023 के बाद हटाए गए कर्मियों की बहाली, फेसिअल अटेंडेंस के तकनीकी समाधान और स्थानांतरण आदेशों की समीक्षा। प्रबंध निदेशक ने आश्वासन दिया कि संविदाकर्मियों के फेसिअल अटेंडेंस के कारण कटे वेतन को जल्द जारी किया जाएगा। इसके लिए उपकेंद्रों पर कैमरा युक्त कंप्यूटर सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे अटेंडेंस दर्ज करने में कोई बाधा न हो। साथ ही उन्होंने बताया कि योग्य हटाए गए संविदाकर्मियों को रिक्त स्थानों अथवा संबंधित कंपनियों में समायोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

प्रशासनिक आधार पर किए गए कुछ संगठन पदाधिकारियों के स्थानांतरण को लेकर समिति ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जब इन स्थानांतरणों का कारण पूछा गया तो अधिकारियों के पास कोई स्पष्ट जवाब नहीं था। समिति ने मांग की कि यदि टाइपिंग मिस्टेक से प्रशासनिक आधार लिखा गया है, तो उसका संशोधित पत्र जारी किया जाए। संघर्ष समिति ने दो टूक कहा कि स्थानांतरण किसी भी कीमत पर निजीकरण आंदोलन को नहीं रोक सकते। सभी पदाधिकारी अपने स्थानांतरण स्थलों से ही संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रहेंगे।

डंपर से टकराई अनियंत्रित कार, पांच लोगों की मौत

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर दूसरी लेन में चल रहे एक डंपर से अनियंत्रित आल्टो कार के टकराने की दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना कोखराज थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर ककोढा.गांव के सामने हुई। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि देर शाम प्रयागराज से कानपुर की ओर जा रही एक आल्टो कार ककोढा. गांव के सामने अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी लेन में जाकर एक डंपर से टकरा गई।

उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि हादसे में घायल एक महिला सहित दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि दो मृतकों की पहचान फतेहपुर जिले के एमरा गांव के रहने वाले राज बहादुर (55) और आदित्य कुमार (35)के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शेष तीन लोगों की पहचान नहीं हो पाई है।

दिल्ली में 22 जून तक दस्तक दे सकता है मानसून

नई दिल्ली। पिछले दो दिनों में मध्य, पश्चिमी और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में पहुंचने वाला दक्षिण-पश्चिमी मानसून अगले दो से तीन दिनों में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, 20 जून से 25 जून के बीच हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख सहित उत्तर-पश्चिमी भारत के बड़े हिस्सों में वर्षा का अनुमान है। आईएमडी के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि मानसून सामान्य तिथि 30 जून से पहले 22 जून तक दिल्ली पहुंच सकता है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

योग-क्रांति से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव

-ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून, 2025 पर विशेष

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया शांति एवं अमन चाहती है और इसका सशक्त माध्यम है योग। इंसान से इंसान को जोड़ने, शांति का जीवन जीने एवं स्वस्थ जीवन के लिये भारतीय योग के महत्व को दुनिया ने स्वीकारा है। योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है, यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का आधार है, संयम और अहिंसा प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। योग के व्यापक मानवहितकारी महत्व के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये गये अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में मनाया गया। इस वर्ष 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस की थीम ह्ययोगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थह्ल रखी है। इसे आसान भाषा में समझें तो ह्यएक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगाह्ल है। इसका मतलब है कि जिस तरह से पृथ्वी एक है ठीक उसी प्रकार से हमारा स्वास्थ्य भी एकमात्र है, जिसे हमें दुरुस्त रखने की जरूरत है। इसी से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव है।

आज जबकि मनुष्य जीवन अनेक असाध्य बीमारियों से जूझ रहा है, ऐसे जटिल स्वास्थ्य-संकट के दौर में इस थीम का मुख्य उद्देश्य है कि हमें हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य एकमात्र ऐसी चीज है, जिसके सहारे आप अपना स्वस्थ जीवन जीते हुए न केवल परिवार, समाज, राष्ट्र बल्कि विश्व के लिये एक ऊर्जा, एक शक्ति एवं एक गति बन सकते हो। प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने वाली जीवनशैली के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों में योग की पहुंच बढ़ाने और स्वस्थ, खुशहाल और अधिक सामंजस्यपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए योग को एक साधन के रूप में उपयोग करने की दिशा में संयुक्त प्रयासों की अपील की। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर एकता की भावना, अहिंसा एवं शांति, दुनिया और प्रकृति की खोज है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न महासंकट से निपटने में मदद कर सकता है।

योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख स्वस्थ-शांतिपूर्ण जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है, जिसकी आज विश्व मानवता को सर्वाधिक अपेक्षा है।

एक ऐसे विश्व में रहने की कल्पना करें जहां आपकी प्रत्येक सांस मानसिक शांति, शारीरिक शक्ति और हमारे साझा ग्रह पर सद्भाव को बढ़ावा देती हो। एक समय में एक मुद्रा, एक श्वास, एक क्षण, यह जानने के लिए कि योग किस प्रकार आपके जीवन और आपके आस-पास की दुनिया को बदल सकता है, योग दिवस का मुख्य ध्येय है। मनुष्य, पशु और पौधे सहित सभी जीवित प्राणी हमारे ग्रह को अपना घर मानते हैं। हमें प्राकृतिक दुनिया के साथ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व बनाए रखते हुए इसकी देखभाल करनी चाहिए। योग हमें सद्भावना से रहना, सचेत रहना और समझदारी-विवेक से निर्णय लेना सिखाता है। हम योग का अभ्यास करके पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। पर्यावरण की स्थिति का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जब हम अपने पर्यावरण और खुद का ख्याल रखते हैं तो सभी को फायदा होता है। विश्व अनेक स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी समस्याओं का सामना कर रहा है, जिनमें प्रदूषण, तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ शामिल हैं। योग शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक त्वरित, प्राकृतिक साधन है।

अभी कुछ दिन पहले ही समाचारपत्रों में पढ़ा कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते, उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है।

हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम अपनी कमजोरियों पर ही नहीं, बल्कि उनसे उबरने के रास्तों पर भी विचार करेंगे। यहीं से हमारी तरक्की का रास्ता खुलता है और इसके लिये योग ही प्रभावी माध्यम है। हम अपनी समस्या को समझें और अपना समाधान खोजें। समस्याएं परेशान करती हैं। जरूरत खुद को काबू में रखने की होती है, हम दूसरों को काबू में करने में जुटे रहते हैं। आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्धेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी हैं, उसका कारण भी योग का अभाव ही है। विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लडने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे।

योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज जरूरत है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों के मुंहताज न बने। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। भगवान महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- ह्यपुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।ह्ल औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है। आधुनिक भौतिकवादी एवं सुविधावादी जिंदगी मनुष्य को अशांति, असंतुलन, तनाव, थकान तथा चिड़चिड़ाहट की ओर धकेल रही हैं, जिससे अस्त-व्यस्तता बढ़ रही है। ऐसी विषमता एवं विसंगतिपूर्ण जिंदगी को स्वस्थ तथा ऊजार्वान बनाये रखने के लिये योग एक ऐसी रामबाण दवा है जो माइंड को कूल तथा बॉडी को फिट रखता है। योग से जीवन की गति को एक संगीत एवं शांतिमय रफ्तार दी जा सकती है। योग में गहरी दिलचस्पी लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक महान संकल्प लेकर उसे कार्यान्वित किया है। निश्चित ही उनकी योग-क्रांति विश्व मानवता के जीवन में विकास, अहिंसा, सुख और शांति का माध्यम बन रही है। आंतरिक व आत्मिक विकास, मानव कल्याण से जुड़ा यह विज्ञान सम्पूर्ण दुनिया के लिए एक महान तोहफा है।

यह युद्ध दुनियां को कहां ले जाएगा?

अशोक भाटिया

ईरान और इजरायल के बीच की जंग शुक्रवार, 20 जून को आठवें दिन में प्रवेश कर गई. दोनों तरफ से एक-दूसरे पर हवाई हमले बिना रुके जारी हैं. इजरायल की मिसाइलें जहां ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों और इंडस्ट्रियल एरिया को बिना रुके निशाना बना रही हैं वहीं ईरान की मिसाइलों की जद में इजरायल का हॉस्पिटल भी आया है जहां बड़ा नुकसान हुआ है. इन सबके बीच दोनों तरफ से हमला रिहायशी इलाकों में भी हो रहा है जहां आम लोगों को जंग की कीमत चुकानी पड़ रही है. बड़ी बात यह है कि अभी सीजफायर का नामो-निशान नजर नहीं आ रहा है. ईरान-इजरायल संघर्ष में एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अमेरिका जंग में कूदने जा रहा है. व्हाइट हाउस का कहना है, ऱनेगोशिएशन की संभावनाऱ के कारण, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले दो सप्ताह के भीतर फैसला करेंगे कि अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में शामिल होगा या नहीं. वहीं तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और जंग को समाप्त करने पर बातचीत के लिए ईरान के विदेश मंत्री आज जिनेवा में फ्रांस, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करने वाले हैं.

गौरतलब है कि 10 जून को, सीबीएस न्यूज ने अमेरिकी अधिकारियों को सूत्रों के हवाले से कहा कि इजरायल ईरान में सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा था। संयुक्त राज्य अमेरिका को डर था कि अगर इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो ईरान पड़ोसी इराक में कुछ अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है। 12 जून की रात से, इजराइल ने पहले मिसाइलें लॉन्च कीं, इसके बाद विमान और ड्रोन द्वारा हमले किए गए। वायु रक्षा प्रणाली और परमाणु कार्यक्रम को जबरदस्त नुकसान हुआ। ईरानी सेना के प्रमुख, चीफ हुसैन सलामी और मेजर जनरल बाघेरी के साथ कई कमांडर और छह वैज्ञानिक भी मारे गए। जवाब में, ईरान ने भी मिसाइलों के साथ इजरायल पर हमला किया। उन्होंने तेल अवीव सहित इजरायल के अन्य प्रमुख शहरों को नुकसान पहुंचाया। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों ने 2002 में ईरान के गुप्त परमाणु कार्यक्रम का खुलासा किया। वे ऐसा करने की धमकी दे रहे थे। यहां तक कि जब ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे, तब भी ईरान ने इस घटना में इजरायल के शामिल पाए जाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। तब भी, दुनिया को संदेह था कि ईरान परमाणु सक्षम था। दिसंबर 2024 में ईरान के पूर्व विदेश मंत्री कमाल खराजी ने इजरायल को सीधे परमाणु हमले की धमकी दी थी। ऐसा ही हुआ और दुनिया भर में हंगामा मच गया।

उस समय ईरान की विदेश नीति समिति के एक पूर्व सदस्य ने दावा किया कि ईरान के पास पहले से ही परमाणु हथियार हैं और अभी तक उनका परीक्षण नहीं किया है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मीडिया को बताया कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के बहुत करीब है, इसलिए देश पर कड़े प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। इस तरह का बयान देते हुए उन्होंने ईरान के तेल निर्यात को निशाना बनाने का आदेश दिया। इसके जवाब में इस्त्रायल की ढाल बन चुके अमरिका को युद्ध की आग में जलाने की धमकी भी ईरान ने दी थी। इस खतरे के मद्देनजर अमेरिका ने अरब सागर में अपनी तैनाती बढ़ा दी थी। इजरायल की सुरक्षा संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चिंता का कारण नहीं है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका भी ईरान की परमाणु क्षमताओं पर संदेह करता है, इसलिए यह कहने के लिए जगह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल की आड़ में ईरान पर हमला किया। इजरायल को परमाणु बम बनाने और छिपाने के ईरान के प्रयासों पर संदेह है। ईरान दुश्मन राष्ट्र पर परमाणु हमला करने में कभी नहीं हिचकिचाएगा यदि उसके अस्तित्व पर सवाल उठाया गया है। कोई देश गारंटी नहीं दे सकता। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिम ईरान से डरते हैं।

संदेह है कि ईरान ने पाकिस्तान से परमाणु हथियार बनाने की तकनीक हासिल की होगी। इस बात पर भी संदेह है कि पाकिस्तान के पास अपने देश में परमाणु हथियार कितने सुरक्षित हैं। यही हाल ईरान का भी है। अगर ये परमाणु हथियार सीरिया, यमन, फिलिस्तीन और लेबनान में इजरायल विरोधी हमास और हिजबुल्लाह के हाथों में पड़ गए तो पूरी दुनिया हैरान रह जाएगी। इसी डर के जवाब में इस्फहान न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी सेंटर के पास इसराइल ने हमला किया. इनमें एक परमाणु अनुसंधान रिएक्टर, एक यूरेनियम रूपांतरण संयंत्र और एक ईंधन उत्पादन संयंत्र शामिल हैं, लेकिन इजरायल ने उस समय ईरान की परमाणु सुविधाओं को सीधे निशाना नहीं बनाया था, हालांकि इजरायल ने कहा कि हमले ईरानी नेतृत्व के लिए अपनी परमाणु नीति पर पुनर्विचार करने के लिए खतरा थे।

पिछले कुछ दिनों में, इजरायल और ईरान के बीच तनाव अपने पारंपरिक प्रॉक्सी प्रकृति से दूर चले गए हैं और एक-दूसरे के क्षेत्रों पर सीधे हमलों के रूप में खुद को प्रकट किया है, जिससे ईरान की परमाणु समस्या के समय पर और गैर-सैन्य समाधान की आवश्यकता बढ़ गई है, इसलिए ट्रम्प ने ईरान पर वाणिज्यिक प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया जब उन्होंने दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभाला, लेकिन आज तक के अपने इतिहास को देखते हुए, इजरायल को इस बात पर संदेह था कि ईरान अपनी खुफिया एजेंसी, मोसाद के माध्यम से इसे कितनी गंभीरता से लेगा। यह कहना सुरक्षित है कि ईरान ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में वगीकृत जानकारी प्राप्त करने और कथित खतरे को महसूस करने के बाद कार्रवाई की। पिछले कुछ वर्षों में, ईरान ने हमास और हिजबुल्लाह जैसे इजरायल विरोधी आतंकवादी संगठनों के समर्थन में हथियारों की खरीद पर बहुत पैसा खर्च किया है, जिससे उन्हें इजरायल से लड़ने में मदद मिली, जो इन आतंकवादी समूहों का समर्थन करने के लिए सैन्य ठिकानों, हथियार डिपो और मिसाइल कारखानों का संचालन करता है।

इजरायल के अनुसार, ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार विकसित करने की कगार पर है और इसकी यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों की सीमा अज्ञात है। ऐसी स्थिति में, यदि ईरान परमाणु हथियार का उत्पादन करता है, तो उसके आतंकवादी संगठनों के हाथों में पड़ने की संभावना है। किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादियों द्वारा इस तरह के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए, ईरान के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दृढ़ता से समर्थन दिया जाएगा, भले ही इससे वैश्विक युद्ध शुरू होने की संभावना न हो। हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन लेबनान जैसे देश को इसमें खींचने की संभावना है। हालांकि यह इजरायल के लिए ज्यादा मायने नहीं रखता है, जो एक समय में पांच या छह देशों का सामना कर रहा है, इस बार ईरान पर इजरायल के हमलों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि यह बिना किसी विरोध के सीमा पार युद्ध छेड़ने का इरादा रखता है। जब ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मद बाघेरी ने कहा कि अगर इसराइल ने ईरान पर अपने हमले तुरंत नहीं रोके तो पाकिस्तान इसराइल के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा, ऐसे में कयास लगाए जाने लगे कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार ईरान के बाद इसराइल और अमरीका तबाह कर देंगे. इस्त्रायल के प्रधानमंत्री नेत्यान्याहू ने ईरान की जनता को राजधानी तेहरान छोड़ देने का फरमान जारी किया है। एक तरफ, इजरायल घोषणा कर रहा था कि युद्ध तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक ईरान ने राष्ट्रपति खामेनेई को मार नहीं दिया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा कि उसे खामेनेई के ठिकाने के बारे में जानकारी थी और अभी उन्हें निशाना बनाने का कोई इरादा नहीं था।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि हमले में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि वह ईरान को किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं देंगे। 16 जून को, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनानस्कीस, अल्बर्टा, कनाडा में G-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया, जहाँ सभी देशों ने सर्वसम्मति से इजरायल की कार्रवाई को उचित बताते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। यह तय था कि कुछ बड़ा ऐलान होने वाला था। उन्होंने तुरंत युद्ध से बिना शर्त हटने की धमकी भी दी वरना परिणाम बुरे होंगे। इस घोषणा ने सीधा संकेत दिया कि ईरान भी चल रहे युद्ध में शामिल था और ईरान पर भी संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा हमला किया जाएगा। इन संकेतों की पुष्टि अमेरिका द्वारा अपने विमान वाहक को हिंद सागर में ले जाने से हुई। ऐसी स्थिति में, पश्चिमी देश और कुछ मुस्लिम राष्ट्र युद्ध में प्रवेश करेंगे और तीसरा विश्व युद्ध शुरू होगा। यह रक्षा विशेषज्ञों द्वारा व्यक्त किया जा रहा है। एक युद्ध एक विकसित या विकासशील देश को 15-20 साल पीछे ले जाता है, और इस तरह के युद्ध में जाने वाले निर्दोष लोगों की मौत और पीड़ा कई वर्षों का आघात हो सकती है।

बताया जाता है कि ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में इजरायल को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है. एक्सपर्ट बताते हैं कि सिर्फ ईरानी मिसाइलों को रोकने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे इंटरसेप्टर ही प्रतिदिन 200 मिलियन डॉलर यानी 17,32,41,30,000 रुपये (इंडियन करेंसी) तक की लागत आ रहे हैं. ये इंटरसेप्टर इजरायल की मिसाइल डिफेंस सिस्टम का अहम हिस्सा हैं और हर हमले के जवाब में इसकी खपत सबसे ज्यादा है.इनके अलावा, युद्ध में इस्तेमाल हो रही गोला-बारूद, लड़ाकू विमान और लॉजिस्टिक सपोर्ट सिस्टम भी खर्च को बढ़ा रहे हैं. इजरायली शहरों पर मिसाइल हमलों से बड़ा नुकसान हुआ है. मौके से आ रही तस्वीरों में देखा जा रहा है कि इजरायली शहरों में इमारतें किस तरह तबाह कर दी गई हैं. इजरायल में इसकी मरम्मत का आकलन किया जा रहा है.

शुरूआती आकलन के मुताबिक, अब तक इमारतों की मरम्मत और पुनर्निर्माण में कम से कम 400 मिलियन डॉलर का खर्च आ सकता है. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी खबरें हैं कि इजरायल के पास डिफेंसिव एरो इंटरसेप्टर की कमी हो रही है, जिससे यह चिंता बढ़ रही है कि अगर संघर्ष जल्द ही हल नहीं हुआ तो ईरान से आने वाली लॉन्ग रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला करने की देश की क्षमता क्या होगी.मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अमेरिका को क्षमता की समस्याओं के बारे में महीनों से पता है और वाशिंगटन जमीन, समुद्र और हवा में सिस्टम के साथ इजरायल की सुरक्षा को बढ़ा रहा है. जून में संघर्ष बढ़ने के बाद से, पेंटागन ने इस क्षेत्र में और अधिक मिसाइल डिफेंसिव एक्वीपमेंट्स भेजे हैं, और अब अमेरिका को इंटरसेप्टर के खत्म करने की भी चिंता है.

कॉलर ट्यून या कलेजे पर हथौड़ा: हर बार अमिताभ क्यों?

-प्रियंका सौरभ

सरकार को समझना चाहिए कि चेतावनी सिर्फ चेतना के लिए होती है, प्रताड़ना के लिए नहीं। एक बार, दो बार, चलिए तीन बार – पर हर कॉल पर वही ट्यून, वही स्क्रिप्ट, वही अंदाज – यह सिर्फ संचार व्यवस्था को बोझिल नहीं बना रही, बल्कि जनता का भरोसा भी खो रही है। आखिर हम कब तक तकनीक के इस बोझ को झेलती रहेंगी?

भाई साहब, बात एकदम सीधी और साफ है – मैं भी अमिताभ बच्चन की कला की उतनी ही बड़ी प्रशंसक हूँ जितना कोई और। कौन नहीं है? वे अभिनय के सम्राट हैं, आवाज में गरज है, आंखों में भाषा है, और संवाद अदायगी ऐसी कि शब्दों को भी पसीना आ जाए। लेकिन अब वक्त आ गया है कि हम भावुकता और वास्तविकता को अलग-अलग करके देखें। एक तरफ हम उस कलाकार का सम्मान करते हैं, तो दूसरी तरफ आज आम जनता जिस मानसिक थकावट और व्यवहारिक समस्या से जूझ रही है, उस पर सवाल उठाना भी जरूरी है। जी हाँ, मैं बात कर रही हूँ उस चेतावनी भरी कॉलर ट्यून की, जो अमिताभ बच्चन की आवाज में साल भर से हर मोबाइल कॉल पर हमारे कानों में हथौड़ा मार रही है।

अब सोचिए, जब भी आप किसी को कॉल करते हैं, आपको पहले 30 सेकंड तक अमिताभ बच्चन की कर्कश, बूमिंग आवाज में एक रटा-रटाया साइबर ठगी से बचने का उपदेश सुनना पड़ता है। न मर्जी पूछी जाती है, न विकल्प दिया जाता है। आप चाहे दिन में पहली बार कॉल कर रहे हों या पचासवीं बार, वही चेतावनी... वही लय, वही थरार्ती चेतावनी। लोगों का तो यहाँ तक कहना है कि ये कॉलर ट्यून अब जनता का मानसिक उत्पीड़न बन चुकी है। दिमाग की नसों में जो कंपकंपी फैलती है, उसे विज्ञान वाले वाइब्रेशन कहें, पर आम जनता इसे 'तंग आना' कहती है। किसी से एक जरूरी बात करनी हो, और सामने से आवाज आती है – आपका कॉल साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु रोका गया है... – आदमी खुद को अपराधी न मान बैठे, तो क्या करे?

अब मुद्दे की बात ये है कि आखिर ये कॉलर ट्यून क्यों अभी भी जारी है? यह कोई नया अभियान नहीं है। यह चेतावनी करीब एक साल से हर मोबाइल उपभोक्ता तक रोजाना, बार-बार पहुंचाई जा रही है। क्या इस देश में अब भी कोई ऐसा कोना बचा है जहाँ यह संदेश नहीं पहुंचा? क्या सचमुच सरकार को लगता है कि आम जनता इतनी जड़ है कि 365 दिन में भी वह यह नहीं समझ पाई कि उसे डळढ किसी को नहीं बताना चाहिए? क्या सरकार ने कभी यह अध्ययन किया कि इस कॉलर ट्यून के शुरू होने के बाद साइबर ठगी के मामलों में कोई गिरावट आई भी है या नहीं?

सच तो यह है कि अगर इस चेतावनी से कोई फर्क पड़ता, तो अब तक तो साइबर अपराधी बोरिया-बिस्तर समेटकर दुबई या नाइजीरिया भाग चुके होते। लेकिन सच्चाई यह है कि ठगी भी वैसी की वैसी है, और जनता की झल्लाहट भी। क्योंकि असली समाधान यह नहीं है कि हर बार कान में चिल्ला-चिल्ला कर डराया जाए, बल्कि यह है कि तंत्र को मजबूत किया जाए, डिजिटल साक्षरता बढ़ाई जाए, और साइबर अपराधियों पर त्वरित कार्यवाही हो।

लेकिन इस देश में समस्या का समाधान जनता पर मानसिक बोझ डालकर ढूंढा जाता है। कहने को यह ट्यून सिर्फ 30 सेकंड की है, लेकिन इसका असर कई गुना बड़ा है। किसी को दिल का दौरा पड़ गया, दुर्घटना हो गई, कोई बच्चा जलते हुए कमरे में फंसा है – और आपको मदद के लिए कॉल करनी है। लेकिन कॉल से पहले 30 सेकंड तक आपको ह्यसावधान! डळढ किसी को न दें!ह्ल सुनना पड़ेगा। सोचिए, ऐसे में क्या बीतती होगी? उस कॉल का हर सेकेंड कीमती है, लेकिन हम सिस्टम से उम्मीद नहीं कर सकते कि वह आम इंसान की जान को प्राथमिकता देगा।

एक बार एक हादसा हुआ था – अहमदाबाद में एक अस्पताल में आग लग गई। चंद सेकेंडों में 300 जानें चली गईं। अब कल्पना कीजिए, यदि वहाँ से किसी ने बचाव के लिए फोन किया हो, और उससे पहले कॉलर ट्यून चल गई हो – क्या वह 30 सेकंड उस वक्त ज्यादा जरूरी थे, या इंसानी ज़िंदगी?

और अब तो यह स्थिति और खतरनाक हो गई है। मान लीजिए किसी लड़की का अपहरण हो जाए, और किसी तरह उसे मौका मिले फोन करने का – तो पहले उसे विज्ञापन सुनना पड़ेगा। क्या हम यकीन के साथ कह सकते हैं कि तब तक कोई अनहोनी नहीं होगी? आपातकाल में एक-एक सेकेंड जिंदगी और मौत के बीच की रेखा बन जाता है, और हमारा सिस्टम उसमें 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' की लोरी सुनाता है।

लोग अब सोशल मीडिया पर इस ट्यून के खिलाफ मोर्चा खोलने लगे हैं। कहा जा रहा है कि इस ट्यून को दिन की पहली कॉल तक सीमित कर दिया जाए, या उपभोक्ता को विकल्प मिले कि वह इसे बंद कर सके। लेकिन जैसे किसी सरकारी दफ्तर में फाइल दबा दी जाती है, वैसे ही जनता की ये आवाज भी अनसुनी रह जाती है। टेलीकॉम कंपनियाँ तो मानो अपना पल्ला झाड़ चुकी हैं – उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आता।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस पूरी समस्या का विरोध करते ही कुछ लोग तुरंत आहत हो जाते हैं। अरे! यह तो अमिताभ बच्चन की आवाज है! उनका अपमान कैसे कर सकते हो? तो भाइयों और बहनों, कृपया समझिए – यहाँ कोई बच्चन साहब के खिलाफ नहीं है। उनकी कला के प्रति पूरा देश श्रद्धा रखता है। पर आवाज की जगह और समय भी कोई चीज होती है। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई किसी की मृत्युशैया पर बैठा हो, और आप उसके कान में ह्यखुश रहो अहले वतनह्ल की देशभक्ति ट्यून बजा दें। भावना की कोई जगह होनी चाहिए।

यह आवाज, जो कभी हमारी जागरूकता का प्रतीक थी, अब धीरे-धीरे एक मानसिक शोर में बदलती जा रही है। यह सरकारी प्रणाली की असंवेदनशीलता का प्रमाण बनती जा रही है, जो जनता की थकान को नहीं, केवल अपनी औपचारिकता को देखती है। कहीं ऐसा न हो कि कल को हम किसी गंभीर परिस्थिति में फोन करने से डरने लगें कि पहले 30 सेकेंड तक वही चिल्लाती आवाज झेलनी पड़ेगी। लोग अब कॉल करने से पहले सोचते हैं –अरे यार! फिर वही ट्यून सुननी पड़ेगी।

सरकार को समझना चाहिए कि चेतावनी सिर्फ चेतना के लिए होती है, प्रताड़ना के लिए नहीं। एक बार, दो बार, चलिए तीन बार – पर हर कॉल पर वही ट्यून, वही स्क्रिप्ट, वही अंदाज – यह सिर्फ संचार व्यवस्था को बोझिल नहीं बना रही, बल्कि जनता का भरोसा भी खो रही है। आखिर हम कब तक तकनीक के इस बोझ को झेलती रहेंगी?

यदि आप भी इस समस्या की भुक्तभोगी हैं, तो अब वक्त आ गया है कि एक आवाज बनें। सोशल मीडिया पर लिखिए, जनप्रतिनिधियों को टैग कीजिए, याचिका शुरू कीजिए। मैं अमिताभ बच्चन से शिकायत नहीं कर रही, मैं सरकार से सवाल कर रही हूँ। क्योंकि जीवन की अंतिम सांसों पर यदि कोई आवाज सबसे पहले पहुँचे – तो वह किसी अपने की होनी चाहिए, न कि एक रिकॉर्डेड चेतावनी।

याद रखिए, चेतावनी से ज्यादा जरूरी है चेतना। अब फैसला आपको करना है – आप कब तक फोन कॉल की हर शुरूआत को सरकारी भाषण से बर्बाद होने देंगी? या आप अपनी आवाज मिलाकर इस सिस्टम को सुधारने की कोशिश करेंगी?

ईरान के क्लस्टर बम ने इजरायल बैकफुट पर ढकेला

-अजय कुमार

ईरान-इजरायल युद्ध के सातवें दिन ईरान द्वारा इजरायल पर दागे गये क्लस्टर मिसाइल बम अत्याधिक घातक साबित हुए। ईरान के इस हमले ने इजरायल के नागरिकों का मनोबल बुरी तरह से तोड़ दिया है।क्लस्टर बमें जिन्हें गुच्छ युद्ध सामग्री भी कहा जाता है,क्लस्टर बम दुनिया के सबसे घातक और विवादास्पद हथियारों में से एक हैं। ये बम अपनी व्यापक विनाशकारी क्षमता और दीर्घकालिक प्रभावों के कारण युद्ध क्षेत्र में तबाही मचाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। युद्ध के दौरान ईरान द्वारा इजरायल पर इसके उपयोग ने इस मिसाइल के प्रति लोगों का वैश्विक ध्यान केन्द्रित कर दिया है। क्लस्टर बम एक प्रकार का विस्फोटक हथियार है जो हवा में या जमीन से छोड़ा जाता है। यह एक बड़े खोल (कैनिस्टर) के रूप में होता है, जिसमें सैकड़ों छोटे-छोटे विस्फोटक उपकरण, जिन्हें सबम्युनिशन या बॉमलेट्स कहते हैं, भरे होते हैं। ये बॉमलेट्स विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं, जैसे कि टैंक-रोधी, कर्मी-विरोधी, या आग लगाने वाले। इनका मुख्य उद्देश्य एक बड़े क्षेत्र में फैलकर अधिकतम नुकसान पहुंचाना है। एक क्लस्टर बम का प्रभाव क्षेत्र कई क्रिकेट मैदानों जितना बड़ा हो सकता है, जिससे यह सैन्य टुकड़ियों, वाहनों, या अन्य लक्ष्यों को व्यापक स्तर पर नष्ट कर सकता है।

क्लस्टर बम कैसे काम करता है?

क्लस्टर बम की कार्यप्रणाली इसे अन्य पारंपरिक बमों से अलग करती है। इसे हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, या मिसाइलों के जरिए लक्ष्य क्षेत्र में छोड़ा जाता है। जब यह अपने लक्ष्य के ऊपर पहुंचता है, तो इसका खोल हवा में खुल जाता है, जिससे अंदर मौजूद सैकड़ों बॉमलेट्स बिखर जाते हैं। ये बॉमलेट्स एक बड़े क्षेत्र में फैलकर विस्फोट करते हैं, जिससे व्यापक विनाश होता है। हाल ही में इजरायल-ईरान युद्ध में ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए क्लस्टर बमों छोड़े जाने के दौरान देखा गया कि इसके वारहेड्स नीचे गिरते समय छोटे-छोटे बमों में बंट जाते हैं, जो बड़े क्षेत्र में तबाही मचाते हैं। प्रत्येक बॉमलेट स्वतंत्र रूप से विस्फोट करता है और अपने आसपास के लक्ष्यों को नष्ट करता है। कुछ बॉमलेट्स तुरंत विस्फोट नहीं करते, बल्कि बारूदी सुरंग की तरह जमीन पर पड़े रहते हैं, जो बाद में नागरिकों के लिए खतरा बन जाते हैं।

क्लस्टर बमों की सबसे बड़ी खासियत उनकी व्यापक कवरेज है। ये एक साथ सैन्य और असैन्य लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं, जिसके कारण ये अत्यंत प्रभावी माने जाते हैं। हालांकि, यही खासियत इन बमों को विवादास्पद भी बनाती है। 2008 में क्लस्टर युद्ध सामग्री पर कन्वेंशन उङ्गल्लप्ील्ल३ङ्गल्ल ङ्गल्ल उ'४२३ी१ ट४ल्ल३ङ्गल्ल२ के तहत 100 से अधिक देशों ने इनके उत्पादन, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की सहमति दी थी। यह समझौता एक अगस्त 2010 से लागू हुआ। फिर भी, कुछ देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए, जिसके कारण क्लस्टर बम आज भी युद्धों में उपयोग हो रहे हैं।

किन देशों के पास हैं क्लस्टर बम?

क्लस्टर बमों के भंडार और उनके उपयोग को लेकर सटीक आंकड़े प्राप्त करना मुश्किल है, क्योंकि कई देश अपनी सैन्य क्षमताओं को गोपनीय रखते हैं। फिर भी, कुछ देशों के पास इन हथियारों के होने की जानकारी उपलब्ध है।ह्लसंयुक्त राज्य अमेरिका ने क्लस्टर बमों का बड़े पैमाने पर उपयोग और उत्पादन किया है। हाल ही में, उसने यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में क्लस्टर बम प्रदान किए, जिसकी कई देशों ने आलोचना की। अमेरिका ने सीसीएम पर हस्ताक्षर नहीं किया है, इसलिए वह इन हथियारों का उपयोग और आपूर्ति जारी रखता है। रूस के पास भी क्लस्टर बमों का बड़ा भंडार है। यूक्रेन युद्ध में रूस पर इन बमों के उपयोग का आरोप लगा है। रूस ने भी सीसीएम संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हाल के इजरायल-ईरान युद्ध में, ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए क्लस्टर बमों के उपयोग की खबरें सामने आई हैं। ईरान ने भी सीसीएम पर हस्ताक्षर नहीं किया है। इजरायल के पास क्लस्टर बम होने की संभावना है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चीन और भारत ने भी सीसीएम संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है और संभवतः उनके पास क्लस्टर बमों का भंडार है, हालांकि सटीक संख्या अज्ञात है। कई अन्य देशों, जैसे पाकिस्तान, उत्तर कोरिया, और सऊदी अरब, के पास भी क्लस्टर बम हो सकते हैं, लेकिन इसकी पुष्टि करने वाले विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। गौरतलब हो, क्लस्टर बमों का उपयोग मानवीय और नैतिक दृष्टिकोण से अत्यंत विवादास्पद है। इनके अंधाधुंध प्रभाव के कारण असैन्य नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, को भारी नुकसान होता है। युद्ध समाप्त होने के बाद भी, गैर-विस्फोटित बॉमलेट्स बारूदी सुरंगों की तरह काम करते हैं, जिससे दीर्घकालिक खतरा बना रहता है। मानवाधिकार संगठनों, जैसे एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच, ने इनके उपयोग की कड़ी निंदा की है।

क्लस्टर बम एक शक्तिशाली और विनाशकारी हथियार है, जिसकी व्यापक कवरेज और दीर्घकालिक प्रभाव इसे युद्धक्षेत्र में खतरनाक बनाते हैं। हालांकि, इसके अंधाधुंध उपयोग और नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभावों के कारण यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद का विषय बना हुआ है। 100 से अधिक देशों ने इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन प्रमुख सैन्य शक्तियाँ, जैसे अमेरिका, रूस, और ईरान, इसका उपयोग और भंडारण जारी रखे हुए हैं। क्लस्टर बमों का भविष्य युद्धों में उनके उपयोग और वैश्विक प्रतिबंधों के बीच एक जटिल बहस का विषय बना रहेगा।

श्री रामलीला समिति की वार्षिक सर्व साधारण सभा 22 को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्क साईट विक्रोली मुंबई 79 की सर्व साधारण सभा और समिति के पुनर्गठन, वार्षिक लेखा जोखा व समिति द्वारा आयोजित आगामी 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2025 तक रामलीला मंचन, विजयदशमी एवं कवि सम्मेलन की तैयारी हेतु विचार विमर्श के लिए 22 जून रविवार सुबह 11. 30 बजे समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की अध्यक्षता में रेखा अपार्टमेंट अमृतनगर घाटकोपर वेस्ट मुंबई में आयोजित किया गया है। जिसमें समिति के सचिव दिवाकर मिश्र और समिति मीडिया प्रभारी रएड आदेश मिश्र ने समिति के सभी कार्यकारिणी, पदाधिकारी एवं सदस्यों से सभा में उपस्थित रहने की अपील की है।

आज योग दिवस पर दादर में कुलियों के लिए योग कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज 21 जून को सुबह 8 बजे से दादर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 13/14 पर कुलियों के लिए योग कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह जानकारी देते हुए भवानजी ने बताया कि इस अवसर बौद्ध भिक्षु परम पूज्य वीरन महारथोजी भी उपस्थित रहेगे,

योगाचार्य भारत भूषण जी बांसुरी की धुन पर योग करेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राम दास आठवले और योगाचार्य राजश्री बोरा भी उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम का आयोजन मुंबई बीजेपी हॉकर्स यूनिट, राजश्री कर्तव्य योग सा संस्थान और फ्लोरा फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। भवानजी ने बताया कि प्राचीन काल में हमारे ऋषि मुनि महात्मा सभी योग साधना से ज्ञान हासिल करते थे. भगवान शीव, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर ने भी योग मार्ग को अपनाया था और प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने पुरी दुनिया मे योग का प्रचार किया और उसे गौरवशाली स्थान दिलाया।

*भवानजी ने आगे बताया कि योग स्वस्थ जीवन जीने की एक कला और विज्ञान है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है। योग का समग्र दृष्टिकोण जीवन के सभी क्षेत्रों में सामंजस्य लाता है। योग को रोग की रोकथाम, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और कई जीवनशैली से संबंधित विकारों के प्रबंधन के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि योग शब्द का शाब्दिक अर्थ है जोड़ना या एकता। शारीरिक व्यायाम के अभ्यास से कहीं अधिक, योग व्यक्तिगत आत्म या चेतना का अनंत सार्वभौमिक चेतना या आत्मा के साथ एक साथ आना है। योग मन की प्रकृति की जांच करने की एक विधि है, जो अभ्यास और प्रत्यक्ष अनुभव पर जोर देती है। योग शरीर, मन और आत्मा के विकास के लिए एक सामंजस्यपूर्ण प्रणाली पर आधारित एक प्राचीन कला है। योग 'व्यक्तित्व के उच्चतम स्तर पर एकीकरण' को दशार्ता है। इसमें योग साहित्य में वर्णित विभिन्न अभ्यास और तकनीकें शामिल हैं और इसे सामूहिक रूप से 'योग' कहा जाता है। भवानजी ने कहा कि योग लोगों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है। योग शारीरिक स्तर पर शक्ति, सहनशक्ति, धीरज और उच्च ऊर्जा के विकास में मदद करता है। यह मानसिक स्तर पर बढ़ी हुई एकाग्रता, शांति, शांति और संतोष के साथ खुद को सशक्त बनाता है जिससे आंतरिक और बाहरी सामंजस्य स्थापित होता है। योग की मदद से आप दैनिक तनाव और उसके परिणामों को प्रबंधित कर सकते हैं।

रियल चीयर्स के साथ रियल का कॉकटेल मिक्सर कैटेगरी में प्रवेश

मुंबई। भारत के नंबर वन पैकेज्ड फ्रूट ज्यूस एवं बेवरेज ब्राण्ड रियल ने अपनी नई पेशकश रियल चीयर्स के लॉन्च के साथ अपने रियल पोर्टफोलियो का विस्तार की घोषणा की है, जो गुणवत्ता और स्वाद की अपनी विरासत पर आधारित कॉकटेल मिक्सर की एक प्रीमियम रेंज है। इस लॉन्च के साथ रियल ने कॉकटेल मिक्सर श्रेणी में प्रवेश किया है। पहले चरण में डाबर ने रियल चीयर्स के तहत चार मजेदार वेरिएन्ट्स बाजार में उतारे हैं- टॉनिक वॉटर, जिंजर एल, जामुनटिनी और ग्रीन एप्पल मोहितो। रियल चीयर्स को आज के ग्राहकों को लुभाने के लिए बेहद बोल्ड, वाइब्रेन्ट और आकर्षक पैकेजिंग में लाया गया है। हर मिक्सर सोच-समझ कर चुने गए बेहतरीन इन्ग्रीडिएन्ट्स से बना है जो स्वाद और फ्लेवर का बेहतरीन संतुलन पेश करता है। कुल मिलाकर रियल चीयर्स अपने बेहतरीन गुणवत्ता के इन्ग्रीडिएन्ट्स और स्वादिष्ट फ्लेवर्स के साथ उपभोक्ताओं को ड्रिंकिंग का मजेदार अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। लॉन्च के अवसर पर श्री मयंक कुमार, वाईस प्रेजीडेन्ट- मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, ह्लरियल में हम लगातार इनोवेट करते हुए उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस लॉन्च के साथ रियल ने बेवरेज कैटेगरी में अपनी स्थिति को और मजबूत बना लिया है। रियल चीयर्स का लॉन्च न सिर्फ हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को मजबूत बनाएगा बल्कि उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और एवं जरूरतों पर भी खरा उतरेगा। साथ ही ब्राण्ड को आज के दौर के उपभोक्ताओं खासतौर पर मिलेनियल्स एवं जनरेशन जी के साथ जोड़ने में भी कारगर होगा। इस अवसर पर ब्राण्ड नया कैंपेन भी लेकर आया है जो दशार्ता है कि किस तरह रियल अपने पोर्टफोलियो को मजबूत बना रहा है और उच्च गुणवत्ता के बेवरेजेज में अपनी विशेषज्ञता को अब कॉकटेल की दुनिया में लेकर आया है।

मोनिशा पाराशर, जी.एम. मार्केटिंग- फूड्स डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, हमें खुशी है कि रियल चीयर्स के लॉन्च के साथ, हम अपनी सिग्नेचर क्वालिटी और स्वाद को कॉकटेल मिक्सर्स की दुनिया में लेकर आए हैं। रियल चीयर्स के तहत हर मिक्सर को इस तरह परफेक्शन के साथ डिजाइन किया गया है कि यह इस्तेमाल में आसान और स्वादिष्ट हो। रियल चीयर्स सुविधा, गुणवत्ता एवं स्वाद के साथ आपके मॉकटेल एवं कॉकटेल के अनुभव को कई गुना बेहतर बना देता है।

रियल चीयर्स मिक्सर 250एमएल के कैन फोर्मेट में आते हैं, ऐसे में इन्हें इस्तेमाल करना बेहद आसान हैं, बस पॉर करें, अपने पसंदीदा ड्रिंक में मिक्स करें और चीयर्स करने के लिए तैयार हो जाएं। रियल चीयर्स टॉनिक वॉटर और जिंजर एले की कीमत रु 65 है, वहीं रियल चीयर्स जामुनटिनी एवं ग्रीन एप्पल मोजितो रु 99 में आता है।

रियल चीयर्स सभी मुख्य क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स- ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट और जेप्टो से खरीदा जा सकता है। जल्द ही यह रीटेल चैनलों पर भी उपलब्ध होगा।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित के नेतृत्व में जन संवाद बैठक संपन्न

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। महानगरपालिका वार्ड समिति डी द्वारा विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित के नेतृत्व में जन संवाद बैठक में नागरिकों की समस्याओं को सुना गया तथा तत्काल समाधान का आश्वासन दिया गया।

वसई विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं का संज्ञान लेने तथा समस्याओं का तत्काल समाधान करने के उद्देश्य से वसई विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित की पहल पर वसई-विरार महानगरपालिका वार्ड समिति (डी) के अंतर्गत ₹जन संवाद बैठक₹ वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र, एवरशाइन सिटी वसई पूर्व में भव्य तरीके से आयोजित की गई।

इस बैठक में स्थानीय नागरिकों ने विधायक श्रीमती स्नेहा ताई के समक्ष सफाई, पानी की कमी, सड़कों की खराब स्थिति, अतिक्रमण, स्वास्थ्य समस्याएं, कर प्रणाली तथा अन्य नागरिक सुविधाओं जैसी कई महत्वपूर्ण समस्याएं उठाईं।

विधायक ने प्रत्येक मुद्दे पर बहुत ही सकारात्मक और विद्वत्तापूर्ण तरीके से ध्यान दिया। संबंधित अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त अभ्यावेदनों की तत्काल जांच कर प्रशासन के माध्यम से तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। बैठक में वसई-विरार महानगरपालिका जोन-3 के उपायुक्त सुभाष जाधव, वार्ड समिति डी की संयुक्त आयुक्त श्रीमती सौंदर्या सांखे, कर अधीक्षक हरेश्वर तुंबाडा, कर अधीक्षक सुरेश भोईर,

वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र नाइक, शाखा अभियंता ऋषिकेश मुलिक, जलापूर्ति अभियंता केतन पाटिल, विद्युत अभियंता समर सावंत, वरिष्ठ लिपिक मिलिंद इंगले, लिपिक प्रसाद पाटिल, अतिक्रमण प्रमुख संजय पाटिल, मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, पूर्व नगरसेवक किरण भोईर, बिजेंद्र कुमार, श्रीमती कंचन झा, श्री गोपी मेनन के साथ ही वार्ड समिति (डी) के अंतर्गत सभी अधिकारी, कर्मचारी, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। इस जनसंवाद बैठक के माध्यम से विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित ने एक बार फिर दिखा दिया कि विकास सिर्फ नारा नहीं होता, संवाद से होता है। नागरिकों द्वारा व्यक्त की गई हर समस्या को गंभीरता से लेते हुए, हर समस्या का समाधान, हर नागरिक को सहारा! के आदर्श वाक्य पर चलते हुए भाजपा वसई के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध और तत्पर है।

मुंबई की यात्रा पर आए अमित शाह का कृपाशंकर ने किया स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की एकदिवसीय यात्रा पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आज छत्रपति शिवाजी विमानतल, सांताक्रुज पर महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच कुछ बातें भी हुई। कृपाशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर मुंबईवासियों की तरफ से उन्हें बधाई दी।

जिले के सभी आश्रम विद्यालयों में छात्रों की होगी स्वास्थ्य जांच : डॉ. इंदुराणी जाखड़, जिलाधिकारी पालघर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के सभी आश्रम विद्यालयों के छात्रों के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान मुंबई के सर ज. जे. समूह रुग्णालय और ग्रांट शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय के ग्रामीण आरोग्य प्रशिक्षण केंद्र और पालघर आरोग्य पथक के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान की शुरूआत शुक्रवार 20 जून 2025 को नंडोरे स्थित आश्रम विद्यालय में की गई, जहाँ पहले दिन 500 छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी विविध जांचें कीं और आवश्यक

उपचार भी प्रदान किए। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि पालघर जिले की 33 आश्रम विद्यालयों के लगभग सभी विद्यार्थियों की नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच और उपचार किया जाएगा। यह प्रक्रिया केवल एक बार की न होकर समय-समय पर दोहराई जाएगी, जिससे छात्रों का स्वास्थ्य स्तर बेहतर हो सके। स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ व सहायक जिलाधिकारी विशाल खत्री ने वृक्षारोपण कर छात्रों को स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी।इस अभियान में जिला प्रशासन के साथ-साथ टी.ए.सी.आर (एनजीओ) का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। अभियान का उद्देश्य आश्रमशालाओं में अध्ययनरत बच्चों का समग्र स्वास्थ्य सुधार सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी महेश सागर, सर जे. जे. समूह रुग्णालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय भंडारवार, प्राध्यापक डॉ. गीता परदेशी, डॉ. राकेश वाघमारे, डॉ. सचिन नवले, डॉ. बालाजी नलगोंडे, डॉ. अजित आर., डॉ. ऐश्वर्या बी., भारती आंबेकर, कृपा पटेल, सुनंदा गावित, सर्वेश लोहारकर व अन्य मेडिकल स्टाफ, छात्र डॉक्टर, नर्सेस और तकनीशियन मौजूद थे।

पत्रकार जीवन तांबे समाज भूषण पुरस्कार से हुए सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पत्रकार जीवन तांबे को महाराष्ट्र सरकार द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाठ द्वारा मुंबई के यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान सभागार में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया।

बता दें कि वरिष्ठ पत्रकार जीवन तांबे पिछले 25 वर्षों से छात्र संगठनों और सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

उन्होंने छात्रों की समस्याओं और छात्र छात्रावासों की समस्याओं को लेकर आंदोलन चलाया है। तांबे पिछले कई वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र

में काम कर रहे हैं और उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से कई समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाई है।

उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, अंधविश्वास उन्मूलन, झुग्गी-झोपड़ियों की समस्याओं और झुग्गी-झोपड़ियों के उजाड़ने के बाद बेघर लोगों के संघर्ष जैसे विभिन्न मुद्दों को अपने समाचार के माध्यम से दुनिया के सामने रखने की कोशिश की है। उनके कार्यों को संज्ञान में लेते हुए महाराष्ट्र सरकार ने तांबे को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मदद कर कुंदन संखे ने पेश की मानवता की मिसाल

पालघर(उत्तरशक्ति)। बारिश से भीगी सड़क, चारों ओर अफरा-तफरी का माहौल और सड़क पर लहूलुहान पड़ा एक घायल युवक... ऐसी परिस्थिति में जब कोई भी मदद के लिए नहीं रुक रहा था, तब शिवसेना पालघर जिलाध्यक्ष कुंदन संखे ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की।

बतादें कि शिवसेना जिलाध्यक्ष कुंदन संखे मुंबई से पालघर की ओर जा रहे थे। शाम करीब 7 बजे के आसपास वसई के जुचंद्र इलाके में एक तेज रफ्तार दोपहिया वाहन एक बड़े ट्रेलर से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि युवक के सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ा रहा।

घटनास्थल पर मुसलधार बारिश हो रही थी, जिससे कोई भी व्यक्ति उसकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। तभी कुंदन संखे ने अपनी गाड़ी रुकवाई और पास में मौजूद एक रिक्शा चालक को भी रोका। उन्होंने अपने ड्राइवर शुभम, सहयोगी मनोहर संखे और सुधीर गावड की मदद से घायल युवक को रिक्शा में बिठाकर तत्काल अस्पताल भेजा। कुंदन संखे ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि समय रहते मिली इस मदद से युवक की जान बचाई जा सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस नेक कार्य का हिस्सा बनने पर संतोष और आत्मिक सुख मिला है। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि जब समाज में सभी मुंह फेर लेते हैं, तब भी कुछ लोग ऐसे होते हैं जो निस्वार्थ भाव से मानवता का धर्म निभाते हैं।

शिवसेना शिंदे में सैकड़ों कार्यकर्ता का पक्ष प्रवेश

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के 59वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर एवर शाईन, वसई स्थित शिवसेना मध्यवर्ती कार्यालय में उपशहर प्रमुख नवीन कदम के सहयोग से सैकड़ों की संख्या में पार्टी मे वंदनीय हिंदुहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बाळासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से तथा शिवसेना के मुख्य नेता एवं उपमुख्यमंत्री माननीय एकनाथजी शिंदे, पालघर जिला संपर्क प्रमुख रविंद्र फाटक, जिला प्रमुख निलेशजी तेंडोलकर के मार्गदर्शन में एवं उपशहर प्रमुख नवीन कदम के सहयोग से सैकड़ों की संख्या में पार्टी प्रवेश संपन्न हुआ।

इस शुभ अवसर पर जिला संघटिका श्रीमती शीतल कदम, उपजिल्हा प्रमुख अनिल चव्हाण, उपशहर प्रमुख श्रीकांत जाधव, महिला उपशहर संघटिका सोनल ठाकुर, महिला विभाग संघटक अनीता पानेकर एवं शिवसैनिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिजिटल समावेशन में भारत अग्रणी, लेकिन दूरसंचार विकास के लिए वहनीयता अगली चुनौती

मुंबई। एशिया की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में अब भी करोड़ों संभावित ग्राहक ऑफलाइन हैं। यह उनकी इच्छा से नहीं, बल्कि मजबूरी से है, क्योंकि दूरसंचार कंपनियां इस वर्ग को नजरअंदाज कर रही हैं–और इसी में एक बड़ा विकास का अवसर छिपा है। भारत, वियतनाम और फिलीपींस में अभी भी 60 करोड़ से अधिक लोग किफायती इंटरनेट से वंचित हैं। क्लाउडमोसा, एक अग्रणी क्लाउड और मोबाइल तकनीकी कंपनी, ने आज अपनी पहली ह्लबी-गैप बैरोमीटर रिपोर्टह्व जारी की, जिसमें ऐसे क्षेत्रों में ऑफलाइन रहने वाले लोगों की चुनौतियों और संभावित समाधानों के प्रति दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है।

यह रिपोर्ट भारत, वियतनाम और फिलीपींस जैसे डिजिटल रूप से प्रगति कर रहे देशों के वरिष्ठ टेलीकॉम अधिकारीयो की अंतर्दृष्टियों पर आधारित है। रिपोर्ट में यह दिखाया गया है कि टेलीकॉम कंपनियां 2ह्व से 4ह्व की ओर कैसे बढ़ रही हैं, समावेशन की बाधाएं क्या हैं, और कैसे निर्णयकर्ता, नेटवर्क ट्रांजिशन के दौरान नवाचार व रणनीतियों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। यह शोध यह भी रेखांकित करता है कि डिजिटल समावेशन अब रणनीतिक व्यावसायिक प्राथमिकता बनता जा रहा है और वहनीय पहुंच अगली विकास सीमा बन गई है। क्लाउडमोसा के सीईओ और संस्थापक शिउपिन शेन ने कहा कि भारत के पास अगली समावेशन लहर का नेतृत्व करने की डिजिटल सोच और बुनियादी ढांचा, दोनों मौजूद है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पहली पत्नी होते हुए भी युवक ने धोखे से की दूसरी शादी

पहली पत्नी परिजनों संग पहुँची थाने, पुलिस ने पीड़िता को ही थाने पर बैठाया

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दगाबाज पति ने एक पत्नी के रहते हुए भी धोखे से एक दूसरी महिला से दूसरी शादी कर ली।पहली पत्नी को मामले की जानकारी होने पर उसके पैरों तले जैसे जमीन ही खिसक गई। गुरुवार को पहली पत्नी अपने परिजनों से संग कोतवाली पहुंच कर पूरे मामले से पुलिस को अवगत कराते हुए प्रार्थना पत्र दिया। जिसपर पुलिस ने दोनों पक्ष को शुक्रवार को बुलाया। शुक्रवार को जब लड़का और उसकी पहली पत्नी थाने पहुंची तो पहले पुलिस ने पीड़ित पत्नी को ही थाने पर बैठा लिया। और उसके पति को भी ।बताया जाता है की पवई थाना क्षेत्र के पुलसराय निवासी साधना की शादी लगभग पांच वर्ष पूर्व कोतवाली क्षेत्र के ग्राम समैसा निवासी रामस्वार्थ के पुत्र धीरज से हुई थी।

आरोप है की शादी के कुछ ही दिनों के बाद ससुरालीजन दहेज के लिए बुरी तरह मारते पीटते और प्रताड़ित करते हैं। पीड़ित साधना का आरोप है की उसका पति धीरज धोखे से दूसरी शादी भी कर ली है। वहीं कोतवाली में मौजूद पीड़िता का दादा बाबूराव एवं लड़की की मामी सविता ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा की हमारी लड़की जो की खुद पीड़िता है पुलिस ने पूछताछ के नाम पर उसे भी बैठा लिया गया।जबकि दूसरी पत्नी को थाने बुलाया ही नही गया।

बताते चले की पहली पत्नी साधना की एक पुत्री भी है। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह से पूछने पर उन्होंने बताया की पीड़िता को नही बैठाया गया।शांति भंग की धारा में धीरज का चालान न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है।

पीयू में प्रवेश प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन आवेदन 25 जून तक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 जून 2025 निर्धारित की गई है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने दी।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि शोध गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करना है, जिससे विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से समय से आवेदन करने की अपील की।विश्वविद्यालय परिसर में कुल छह संकाय– विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान, विधि, अभियांत्रिकी, फार्मेसी एवं व्यवसाय प्रबंधन– के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम संचालित हैं। साथ ही रज्जू भैया संस्थान में भी शिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा जुलाई के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जिसका विस्तृत कार्यक्रम एवं प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा।पूर्वांचल विश्वविद्यालय की विशिष्ट पहचान इसकी अत्याधुनिक सुविधाओं में निहित है, जिसमें उच्च स्तरीय प्रयोगशालाएं, समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, वाई-फाई युक्त परिसर, इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम तथा छात्रावास की सुविधाएं सम्मिलित हैं। यह सभी सुविधाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सहायक सिद्ध हो रही हैं।

योग से तन मन स्वस्थ और तनाव से मिलती है मुक्ति: डा.फारूकी

योग दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के डाक्टर, स्टाफ और तीमारदारों ने किया योग

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इंसान अगर योग को अपने जीवन का एक हिस्सा बना ले तो वह कभी बीमार और तनाव से मुक्त रहेगा। योग से ही तन और मन सब स्वस्थ रहता है। उक्त बातें शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के अधीक्षक डाक्टर रफीक फारूकी ने योग दिवस पर प्रेस वार्ता के दौरान कहीं।उन्होंने योगा के निम्न फायदे पर जोर देते हुए लोगों से अपील की है की योगा को जीवन का हिस्सा बनाये। शारीरिक फिटनेस और लचीलापन, तनाव में कमी और आराम मानसिक स्पष्टता और फोकस में सुधार, उन्नत श्वसन कार्य बेहतर नींद की गुणवत्ता ऊर्जा स्तर में वृद्धि, वजन प्रबंधन का समर्थन करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा। अस्पताल परिसर में आयोजित योगा दिवस पर डाक्टर हरिओम, डाक्टर आरबी यादव, डाक्टर राकेश कुमार, डाक्टर राहुल वर्मा, मोहम्मद अब्बास, जेपी पांडेय, बबीता यादव, प्रमिला, महेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुमार सहित मरीजों और तीमारदारों ने भी योग अभ्यास किया।

22 जून को आयोजित होगी मजलिस-ए-बरसी

तामीर हसन के पिता व भाई की याद में होगी खिराज-ए-अकीदत की मजलिस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के प्रतिष्ठित इमामबाड़ा मीर सखावत हुसैन मरहूम, ख़्वाजा दोस्त पोस्ती खाना, जौनपुर में आगामी 22 जून, रविवार की रात 8 बजे एक मजलिस-ए-बरसी का आयोजन किया जाएगा। यह मजलिस तामीर हसन शीबू के पिता मरहूम तासीर हुसैन इब्ने नजीर हुसैन और भाई मरहूम आदिल ताज ताजवर इब्ने तासीर हुसैन की बरसी के अवसर पर रखी गई है।इस मजलिस के माध्यम से दिवंगत आत्माओं को खिराज-ए-अकीदत पेश की जाएगी और उनके लिए दुआएं की जाएंगी। आयोजन का उद्देश्य समाज में श्रद्धा, सच्चाई और इंसानियत के पैगाम को आगे बढ़ाना भी है, जो मरहूम की जीवन शैली और सोच का हिस्सा रही है।मजलिस को खिताब करेंगे।मौलाना सैयद सफदर हुसैन जैदी साहब, जो अपने प्रभावशाली और रोशनअंदाज तकरीर के लिए देशभर में विख्यात हैं।

सोजखानी जनाब गौहर अली जैदी व उनके हमनवा।

पेशखानी रजमी जौनपुरी नौहा खानीः अंजुमन हुसैनिया बलुआघाट, जौनपुर द्वारा प्रस्तुत इस मजलिस में नगर के अनेक धार्मिक, सामाजिक व बौद्धिक वर्गों के लोगों के शिरकत करने की संभावना है। आयोजन के जरिए तामीर हसन शीबू अपने दिवंगत पिता और भाई को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ समाज को एकता, तहजीब और इंसानियत का पैगाम देना चाहते हैं। सोगवारान में प्रमुख नाम इस प्रकार हैं। डॉ.दिलगीर हसन, तामीर हसन शीबू, मोहम्मद अली, अब्बास अली, यह मजलिस न केवल एक पारंपरिक धार्मिक आयोजन है, बल्कि एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी है उन लोगों के लिए, जिनकी यादें आज भी अपनों के दिलों में ज़िंदा हैं।

शिकायत के बावजूद नहीं हुआ चकमार्ग का निर्माण, ग्रामीणों में रोष व्याप्त

अनुभव सिंह

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिले के महराजगंज विकासखंड अंतर्गत गद्दोपुर गांव में मुख्य सड़क से ब्राह्मण बस्ती को जोड़ने वाली चकमार्ग संख्या 579 का निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है। सीमांकन हो जाने और कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

गांव निवासी एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर चकमार्ग निर्माण की शिकायत की थी, लेकिन सम्बन्धित विभाग के लोगों ने बिना जांच-पड़ताल के ही शिकायत का निस्तारण कर दिया। उन्होंने रिपोर्ट में उल्लेख किया कि तीन वर्ष पूर्व सड़क पर मिट्टी डाली गई थी, जबकि ग्रामीणों ने बताया कि केवल हल्की मिट्टी पूर्व प्रधान के कार्यकाल में सीमांकन के बाद डाली गई थी।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान ग्राम प्रधान के कार्यकाल में इस चकमार्ग पर कोई कार्य नहीं हुआ है। बार-बार केवल आश्वासन दिया जा रहा है कि अगले कार्ययोजना में इसे शामिल किया जाएगा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि वर्षों से उपेक्षित इस चकमार्ग का निर्माण शीघ्र कराया जा सके।

दिनचर्या में शामिल करें योग: रजनी साहू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मन को शांत, तनाव को दूर करने का आसान तरीका योग है, इसे सभी को अपने दिनचर्या में शामिल करना चाहिए यह आवाहन नेशनल योग प्रशिक्षक रजनी साहू ने विश्व योग दिवस के पूर्व बेला पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा गोसाईं रामलीला मैदान उर्दू बाजार में

आयोजित योगा वर्कशॉप में किया उन्होंने कहा योग शारीरिक व मानसिक दोनों दृष्टिकोण से लाभदायक है ! क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा क्लब ने अपने सदस्यों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से योगा वर्कशॉप का आयोजन किया है योग को अपनी जीवन शैली का? अहम हिस्सा बनाने से हम अनेक बिमारियों से बच सकते हैं ! संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा स्वस्थ जीवन के लिए योग प्राचीन काल से ऋषि मुनियों द्वारा अपनाया गया है ! इस अवसर पर सभी लोगों ने विभिन्न प्रकार की योग क्रियाओं को करते हुए इसके महत्व को समझा और अन्त में सभी लोगों ने योग के माध्यम से खुद को स्वस्थ रखने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया ! इस अवसर विशेष पर क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने योगाचार्या रजनी साहू जी को अंगवस्त्रम व गिफ्ट देकर सम्मानित भी किया।इस अवसर पर एकता गुप्ता,संजीव साहू,अभिताश गुप्ता, विनोद अग्रहरि, आशीष गुप्ता, विष्णु गौड़, जितेंद्र सोनी, बालकृष्ण साहू, अभिषेक जायसवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे सभी के प्रति धन्यवाद क्लब सचिव अजय सोनकर ने व्यक्त किया।

हौज टोल प्लाजा पर राज्यसभा सांसद संजय सिंह का पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर स्थित हौज टोलप्लाजा पर शुक्रवार को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी व

राज्यसभा सांसद संजय सिंह का आगमन हुआ। जिसके उपलक्ष्य में आम आदमी पार्टी जौनपुर के कार्यकर्ताओं ने जोरदार तरिके से अपने नेता का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने देखोझदेखो कौन आया शेर आया शेर आया नारे के साथ स्वागत किया। उक्त स्वागत समारोह में प्रमुख रूप से शामिल हुए पूर्वांचल प्रान्त प्रभारी डॉ अनुराग मिश्रा, पार्टी के जिलाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह बागी, विधि प्रकोष्ठ पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग मणि त्रिपाठी, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बंटी अग्रहरी, निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी, समाजसेवी शत्रुघ्न सिंह सोनू, जफर मसूद, मो. जयदी, प्रदीप मिश्रा, विद्याधर मिश्रा, सहित इत्यादि कार्यकर्ता शामिल हुए। वाराणसी मंडल में आयोजित दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए लखनऊ से वाराणसी के लिए रवाना हुए।

बदलापुर पुलिस ने नाजायाज चाकू के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम अरूण निषाद पुत्र भगवान निषाद निवासी ग्राम कस्तुरीपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को

कब्जे से एक नाजायज चाकू के साथ सरोखनपुर अण्डर पास के पास हिरासत पुलिस में लिया गया। बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे आरोपी उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार आरोपी अरूण निषाद पुत्र भगवान निषाद निवासी ग्राम कस्तुरीपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण-एक नाजायज चाकू पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0-257/2025 धारा-4/25 आर्म्स एक्ट थाना बदलापुर जौनपुर।

मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत पुलिस ने की पीस कमेटी की बैठक

रामगढ़,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। पन्नूगंज थाना परिसर में आगामी त्योहार को लेकर शुक्रवार को पीस कमेटी की बैठक की गई। जिसमे मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को कहा गया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए

पन्नूगंज थाना प्रभारी दिनेश कुमार पांडेय ने बताया कि ताजिया निकालने के दौरान कोई भी अस्त्र शस्त्र जैसे में बल्लम, गड़ासा तलवार का उपयोग नही किया जायेगा। केवल लाठी डंडे से ही कला प्रस्तुत किया जायेगा। उन्होंने उपस्थित ताजियादारो से क्षेत्र में मोहर्रम के ताजिया के बारे में जानकारी ली एवं अपील किया की त्योहार को मिलजुल कर आपसी भाईचारे के साथ मनाए। उन्होंने ये भी कहा की त्योहार में खलल डालने वालों उपद्रवियों को बक्सा नही जायेगा।ऐसे लोगो पर पैनी नजर रखी जाएगी। इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर अकबर अंसारी, खजांची अलहम, सीगेट्री मुजफ्फरूल हक, नायब सदर तेजू अली, व ताजियादार अमजद हुसैन, मुस्ताक अल्ताब, अजीमुद्दीन, रमजान अली, सत्तार, जैनुद्दीन, इस्लाम, मुनीब शाह, खारिक, इलियास आदि लोग उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

फरीदुल हक मेमोरियल पी0जी0 कालेज तालीमाबाद सबरहद शाहगंज जौनपुर में स्वावित्तपोषित योजनान्त्रगत गृहविज्ञान, समाजशास्त्र, भौतिक विज्ञान व गणित में एक एक तथा रसायन विज्ञान एवं प्राणि विज्ञान में तीन तीन प्रवक्ताओं तथा एक कार्यालय सहायक जिसे कम्प्यूटर का पूर्ण ज्ञान हो (हिन्दी व अंग्रेजी टाइपिंग के साथ साथ समस्त आनलाइन कार्यों में दक्ष हो) की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन/यू.जी.सी. के नियमानुसार। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी तत्काल कालेज के पते पर अथवा मोबाइल नम्बर 9236926850 पर प्रातः10 बजे से शाम 05 बजे के बीच अपने समस्त अभिलेखों के साथ संपर्क करें।

प्राचार्य

जिलाधिकारी ने पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति के संबंध में ली जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र के द्वारा पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अपेक्षा के अनुरूप कार्य तीव्र गति से होते हुए पाया गया, जिस पर उन्होंने इस कार्य में लगे उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग, खंड विकास अधिकारी बदलापुर, ग्राम प्रधान, श्रमिक व अन्य की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा निर्देश दिये गये है कि जनपद में पर्यावरण और जल संवर्धन के कार्य किये जाये, जिसके क्रम में पीली नदी को चिन्हित करते हुए जीर्णोद्धार का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और इसके साथ ही नदी के किनारे लगभग 1000 पौधे रोपित करने की भी तैयारी कर ली गई है। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और विधायक बदलापुर सहित अन्य

जनप्रतिनिधिगण के कुशल निर्देशन में ग्राम प्रधानगण, सिंचाई विभाग के अधिकारी, खंड विकास अधिकारी के समन्वय से पीली नदी के जीर्णोद्धार के समस्त कार्य को श्रम के आधार पर तेजी से किया जा रहा है। नदी का स्वरूप जहां पर खत्म हो गया था उस पॉइंट को चिन्हित करते हुए ठीक करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक जल संचय हो सके। इस कार्य में 08 पोकलेन मशीन लगातार कार्य कर रही है और अधिक संसाधन बढ़ाने के भी प्रयास किया जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने इस कार्य में सहयोग प्रदान कर रहे सभी लोगो का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा ग्राम देवरिया, नुरूददीनपुर में स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए शासन के विभिन्न योजनाओं के सन्दर्भ में जानकारी देते हुए इच्छुक लोगों को बकरी पालन की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये गए, जिससे उनकी आय में वृद्वि हो सके।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई, ग्राम प्रधानगण.सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

लापता बेटे ने फोन पर बोला टेंशन मत लो.. फिर बन्द हो गया मोबाइल

रहस्यमयी ढंग से लापता हुआ था युवक, परिजनों को अनहोनी की आंशका

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा क्षेत्र के मनवल गांव निवासी 25 वर्षीय युवक विकास यादव बीते 14 जून की दोपहर 12 बजे से रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गया है।स्वजन द्वारा काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला तो 15 जून को थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।विकास के पिता मक्खन लाल यादव ने बताया कि 16 जून को उनकी पुत्री रंजू लगातार विकास को फोन कर रही थी, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। इसी दौरान अगले दिन सुबह 10:56 बजे विकास ने अचानक फोन उठाया और कहा, मैं ठीक हूँ, आप लोग टेंशन न लें। इसके बाद से मोबाइल फिर से बंद हो गया, जिससे स्वजन और भी ज्यादा चिंतित हो गए हैं। इन लोगों को संदेह है कि विकास किसी के कब्जे में है और उसी दबाव में उसने वह फोन कॉल किया। परिवार का कहना है कि यह केवल सामान्य गुमशुदगी नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसी गहरी साजिश की आशंका है। स्वजन घटना को किसी आपराधिक साजिश से जोड़कर देख रहे हैं। थक-हारकर परिजनों ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर को प्रार्थना-पत्र दिया है। उनका आग्रह है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए और यदि विकास के साथ कोई अनहोनी हुई है तो दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

सावन मास में सुबह-शाम एक-एक घंटे दर्शनार्थियों को मिलेंगे विश्वनाथ जी की झांकी दर्शन

◆ टिकटों के दामों में भी कोई बढ़ोत्तरी नहीं

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में सावन मास में पहली बार काशी की जनता के लिए विश्वनाथ मंदिर में अलग से इंतजाम किए जायेंगे। श्रद्धालुओं को एक घंटे सुबह और एक घंटे शाम को बाबा के दर्शन मिलेंगे। यह सुविधा सावन के सोमवार और विशेष पर्व या दिवसों पर नहीं मिलेगी। मंगलवार से रविवार के बीच सुबह चार बजे से पांच बजे और शाम चार से पांच बजे तक झांकी दर्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।वहीं, देशभर के श्रद्धालु घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से बाबा के दर्शन कर सकेंगे। भीड़ प्रबंधन के लिए धाम परिसर में जिगजैग बैरिकेडिंग लगाई जाएगी। महाकुंभ की तरह ही सावन में यातायात और पार्किंग के इंतजाम होंगे। सबसे खास बात यह है कि इस बार आरती और सुगम दर्शन के टिकट के दाम में बढ़ोतरी नहीं होगी।

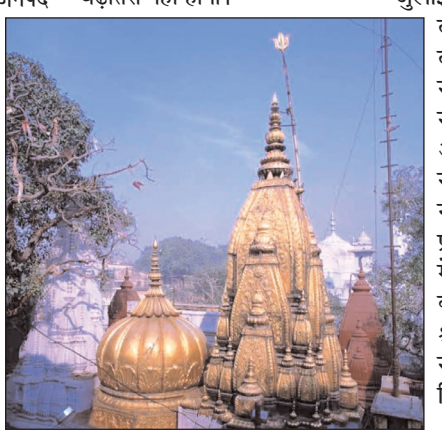

श्री काशी विश्वनाथ धाम स्थित सभागार में बृहस्पतिवार को सावन मास की तैयारियों की बैठक हुई। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम और पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन-पूजन और सुविधाओं को बेहतर बनाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में कहा गया कि 11 जुलाई से नौ अगस्त तक सावन के दर्शन-पूजन होंगे। जो दर्शनार्थी जो धाम पहुंचने में सक्षम नहीं हैं। उनके लिए सावन भर लाइव दर्शन की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध रहेगी। स्मार्ट वाच के साथ नहीं मिलेगा धाम परिसर में प्रवेशविश्वनाथ धाम परिसर में प्रवेश से पहले श्रद्धालुओं की जांच होगी। किसी भी श्रद्धालु को स्मार्ट वाच के साथ परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मोबाइल फोन और ईयर फोन के साथ प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। तंबाकू उत्पाद और कॉस्मेटिक नहीं ले जाया जा सकेगा और बड़े बैग के साथ अन्य वर्जित वस्तुओं की भी मनाही रहेगी।

रामपुर पुलिस ने पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक बांधकर रखे गये पांच बछड़ों के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक रामपुर मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र रात्रि गस्त चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वाहन दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक पीकप जिसमे गोवंश लदा हुआ है, भरथीपुर से रामपुर की तरफ नहर के रास्ते जा रहा है। जिसका कुछ लोग मोटर साईकिल से पीछा कर रहे है। सूचना पर प्र0नि0 द्वारा रात्रि अधिकारी उ0नि0 संतोष कुमार सिंह व हे0का0 त्रिलोकीनाथ सिंह को भरथीपुर की तरफ से पीछा करने को बताया गया तथा हे0का0 ओमप्रकाश मिश्रा, का0 विश्वास पाण्डेय व हे0का0 सूरज सोनकर को भरथीपुर के तरफ से नहर के रास्ते पर घेराबन्दी करने को बताया गया। पुलिस टीम घेराबन्दी करते हुए ग्राम बौरिया के पास से अजीत गौतम पुत्र स्व0 राधेश्याम गौतम निवासी रघुनाथपुर थाना रामपुर जनपद जौनपुर को

एक पिकप वाहन संख्या-UP62BT5139 पर क्रूरता पूर्वक बांधे गये 05 राशि गोवंश बछड़ा के साथ समय करीब 01.35 बजे रात्रि हिरासत पुलिस में लिया गया। शेष दो अभियुक्त मौके से अन्धेरे का फायदा उठाकर भाग गये। जिनकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुध्द थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-99/25 धारा-3/5ए/8 गोवध निवारण अधि0 व 11(1)(घ) पशु क्रूरता निवारण अधि0 का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान संबंधित न्यायालय किया गया।

पीयू में 21 को एक साथ सूर्य नमस्कार मुद्रा का होगा प्रदर्शन

जौनपुर उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 21 जून 2025 को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा घोषित थीम एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिए योग के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं सामूहिक रूप से योग अभ्यास करेंगे।कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वंदना सिंह करेंगी । इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती जिगिषा कोठारी, सीनियर फैकल्टी, आर्ट ऑफ लिविंग, अहमदाबाद होंगी। तथा विशिष्ट अतिथि श्री संजीव कोठारी रणनीति एवं डिजिटल सलाहकार, पूर्व प्रमुख, तकनीकी-वाणिज्यिक, अडानी इंफ्रा इंडिया लिमिटेड रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 6:00 बजे से होगा, जिसमें प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन प्रातः 6:30 बजे से प्रसारित किया जाएगा। इसके उपरांत आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार 7:00 बजे से 7:45 बजे तक योग सत्र आयोजित होगा। 7:45 बजे से 8:00 बजे तक विशिष्टजनों का उद्बोधन होगा और 8:00 बजे से 8:10 बजे तक सूर्य नमस्कार योग मुद्रा का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा एक धरती, एक स्वास्थ्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं और एनएसएस स्वयंसेवक बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार और महाविद्यालयों से अपील की है कि वे अपने स्थान व समय पर उपस्थित होकर योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाएं और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने का संकल्प लें।छात्र कल्याण अधिष्ठाता तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि सभी महाविद्यालय इस कार्यक्रम में उत्साह से प्रतिभागी करें।

कांदिवली में पौधारोपण अभियान में शामिल हुए पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

कांदिवली, मुंबई। चारकोप विधानसभा वार्ड क्रमांक 21 की पूर्व नगरसेविका प्रतिभा गिरकर द्वारा महावीर नगर, कांदिवली में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस पौधारोपण अभियान की शुरूवात की और स्वयं भी पौधारोपण कर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए धरती को हरियाली से आल्हादित और आक्षादित रखने का नागरिकों को जागरुकतापूर्ण संदेश दिया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ, चारकोप विधान सभा के विधायक योगेश सागर, पूर्व विधायक विजय भाई गिरकर, मंडल अध्यक्ष प्रमोद घाग और पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पं० आचार्य जनार्दन द्विवेदी से दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने की शुभेच्छा भेट

जौनपुर। (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकास खण्ड मछली शहर ग्राम कुकराही रामपुर निवासी पंडित आचार्य जनार्दन द्विवेदी (बाबा दुबे) वाराणसी बीएचयू से सेवा निवृत्त होने के बाद अपने गांव कुकराही रामपुर में निवास कर रहे हैं। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेमचंद मिश्रा ने औपचारिक मुलाकात की। बता दें पंडित जनार्दन द्विवेदी (बाबा) बीएचयू में प्रयोगशाला विभाग में कार्यरत थे। जब तक बीएचयू में कार्यरत रहे वे सदा लोगों की सहायता करते रहे। आज भी वे लाचार असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए बनारस बीएचयू में ले जाकर बिमार लोगों का ईलाज करवाते हैं। मछली शहर क्षेत्र में वे एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। क्षेत्र में लोग उन्हें गुरु जी के नाम से पुकारते हैं और गुरु जी के नाम से जाने जाते हैं। जनार्दन प्रसाद दुबे एक सरल सौम्य मिलनसार व्यक्ति है। उनसे मुलाकात करने पहुंचे दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , विजय चंद मिश्रा सहित कई अन्य लोगो ने मुलाकात की। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के भेट के दौरान आपसी सौहार्द, समाज के योगदान, साहित्यिक-सांस्कृतिक विषयों एवं युवाओं में विधि एवं सुरक्षा व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

द ब्राइडल रिट्रीट ने करण जौहर को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया

मुंबई। दुल्हन बनने जा रही महिलाओं के लिए भारत की पहली अपनी तरह की अनुभवात्मक पेशकश, द ब्राइडल रिट्रीट को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता और सांस्कृतिक प्रतीक करण जौहर इसके आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर होंगे। यह साझेदारी वैवाहिक अनुभव को फिर से परिभाषित करने का लक्ष्य रखती है, जिसमें भव्य समारोहों से आगे बढ़कर दुल्हन की शादीशुदा जिंदगी की आंतरिक तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ई-फैक्टर एक्सपीरियंसेज लिमिटेड द्वारा परिकल्पित द ब्राइडल रिट्रीट, दुल्हनों को इरादे और भावनात्मक आधार के साथ अपने भविष्य की तैयारी और चिंतन के लिए जगह बनाने पर जोर देता है। भारतीय सिनेमा में अपनी कहानियों के लिए जाने जाने वाले करण जौहर ने कहा, द ब्राइडल रिट्रीट महिलाओं को शादी के बाद के जीवन के लिए तैयार करने के बारे में है। यह रिट्रीट एक दुर्लभ अवसर प्रदान करता हैः दुल्हनों को दुनिया के सामने आने से पहले खुद से मिलने का मौका। उन्होंने केवल शादी के दिन पर नहीं, बल्कि शादी से होने वाले आंतरिक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर दिया। ई-फैक्टर एक्सपीरियंसेज के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक समित गर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि रिट्रीट महिलाओं को इस नए चरण में सचेत और भावनात्मक रूप से सुसज्जित होकर प्रवेश करने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वरदान लोक आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड संत शिरोमणि परमपूज्य सुधांशु जी महाराज के सानिध्य में वरदान लोक आश्रम के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया है। सुधांशु महाराज के भक्त वरदान लोक आश्रम के वरिष्ठ कार्यकर्ता नरहरी तिवारी ने बताया कि रविवार 29 जून 2025 विश्व जागृति मिशन , वरदान लोक आश्रम के द्वारा प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक गुरु दर्शन, सत्संग, गुरु पाद पूजन, आरती एवं तदोपरांत भंडारे का आयोजन किया गया है। वरदान लोक आश्रम घोड़बंदर थाने रोड, पोस्ट मीरा रोड, मीरा रोड पूर्व में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा भक्तों के आने की उम्मीद है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम हुआ सपन्न

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में, यह कार्यक्रम भाजपा जिला कार्यालय में रखा गया था, जिसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत तथा भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के नेतृत्व में एवं जिला अध्यक्ष दिलीप जैन के मार्गदर्शन में बिहार आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन जिला कार्यालय में किया गया, इस अवसर पर बिहार के पूर्व विधायक श्री रामेश्वर प्रसाद चौरसिया का बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जिसने कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादायक व सफल बनाया, इस कार्यक्रम में बिहार प्रकोष्ठ महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नीतीश कुमार वर्मा, प्रदेश संयोजक प्रद्युमन शुक्ला,सह संयोजक श्रीमती नीतू पूर्वे, मीरा भायंदर भाजपा जिला अध्यक्ष, दिलीप जैन, जिला संयोजक फूल कुमार झा सह संयोजक रश्मि मिश्रा, धीरेन मिश्रा, पूजा चौधरी, आशा जायसवाल, तारकेश्वर पांडे शिवा पंडित, तथा मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

इंडस्ट्री-एकेडमिया सहयोग पर संगोष्ठी का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 21 जून 2025 को एक विशेष संगोष्ठी इंडस्ट्री एकेडमिया सहयोग रणनीति विषय पर आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे तक आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भैया संस्थान में आयोजित होगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव कोठारी रणनीति एवं डिजिटल सलाहकार, पूर्व प्रमुख, तकनीकी-वाणिज्यिक, अडानी इंफ्रा इंडिया लिमिटेड रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वंदना सिंह करेंगी। इस अवसर पर उद्योग और शिक्षाजगत के सहयोग से युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय और औद्योगिक संस्थानों के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करना और छात्रों को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करना है। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. गिरिधर मिश्र ने बताया कि संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के शिक्षक, तथा समस्त महाविद्यालय के प्राचार्य भी सहभागी होंगे।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. संस्था द्वारा प्रतिभा सम्मान एवं मुफ्त नोटबुक वितरण 22 जून को

नवीं मुंबई। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था NGO द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10वीं, 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान एवं जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त नोटबुक, शिक्षण सामग्री का वितरण आगामी रविवार 22 जून को नर्मदा कम्प्लेक्स को-ऑ.हा. सोसायटी हाल , प्लॉट नंबर 396, बस स्टैंड- पनवेल स्टेशन रोड, पनवेल में सुबह 11:00 किया जाएगा। यह उपक्रम पिछले 21 वर्षों से लगातार चल रहा है। संस्था समाज के बंधुओं से अनुरोध करती है कि विद्यार्थियों /बच्चों को साथ में लेकर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाएं और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

लेनोवो ने पटना में अपना पहला हाइब्रिड एक्सपीरियंस स्टोर लॉन्च किया

पटना। वैश्विक तकनीकी में अग्रणी लेनोवो ने छह नए और हाइब्रिड स्टोर खोलकर पूर्वी भारत में अपनी रिटेल उपस्थिति को मजबूत किया है, जिससे इस क्षेत्र में बाजार के अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है। इस विस्तार का एक मुख्य आकर्षण पटना बिहार और कोलकाता, पश्चिम बंगाल, में एक हाइब्रिड स्टोर है, जिसमें एक समर्पित गेमिंग जोन है। एक इमर्सिव अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गयाए यह स्थान गेमिंग के शौकीनों को गेमिंग तकनीक में लेनोवो के नवीनतम नवाचारों को पहली बार देखने का मौका देता है।

भुवनेश्वर, धनबाद, रायपुर और रांची में रणनीतिक रूप से स्थित नए स्टोर ग्राहकों को एक आकर्षक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। स्टोर को एक गतिशील खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया हैए जिसमें इंटरैक्टिव डिस्प्ले,अभिनव उत्पाद शोकेस और व्यक्तिगत सहायता, प्रोडक्ट डेमो और तकनीकी सहायता प्रदान करने वाले जानकार कर्मचारी शामिल हैं।

इस विस्तार के साथ, लेनोवो के पूर्वी भारत में 55 से अधिक स्टोर और पूरे भारत में 550 से अधिक स्टोर हो गए हैं, जो क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने और पहुँच बढ़ाने के लिए इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

खरीदार भारत में लॉन्च किए गए नवीनतम डिवाइसों को देख सकते हैंए जिनमें एलओक्यूए लीजन आइडियापैड योगा ऑरा एडिशन, थिंकपैड ऑरा एडिशन, थिंकबुक और टैबलेट सीरीज शामिल हैं. जिन्हें छात्रों, गेमर्स और पेशेवरों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

राघवेंद्र अरवीती, सेल्स हेड, नॉर्थ एंड ईस्ट. कंज्यूमर बिजनेस, ने कहा कीए। पूर्वी भारत हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, और हम इन नए स्टोर के लॉन्च के साथ अपनी उपस्थिति को और गहरा करने के लिए उत्साहित हैं। लेनोवो में हम सभी के लिए स्मार्ट तकनीक सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये नए आउटलेट सिर्फ. रिटेल स्थान नहीं हैं . ये अनुभव क्षेत्र हैं जो हमारे नवाचारों को लोगों के करीब लाते हैंए जिससे वे सार्थक तरीकों से हमारे उत्पादों का पता लगा सकते हैं

ऑफिसनेट लफ्टर ने एआई-आधारित फेस रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम लॉन्च किया

मुंबई। भारत के प्रमुख लफ्टर प्लेटफॉर्म्स में से एक, ऑफिसनेट ने अपना एआई-संचालित फेस रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम लॉन्च किया है। यह नवाचार उपस्थिति की सटीकता को 90% तक बढ़ाने और मैन्युअल प्रयास को 60% से अधिक कम करने के लिए तैयार किया गया है। विशेष रूप से फील्ड और रिमोट टीमों के लिए डिजाइन की गई यह सुविधा अटेंडेंस ट्रैकिंग को आसान बनाती है और अब एंड्रॉइड और डर दोनों प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। यह नया सिस्टम कर्मचारियों को सुरक्षित फेस रिकग्निशन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने में सक्षम बनाता है, जो रियल-टाइम लोकेशन टैगिंग और पेरोल व अनुपालन प्रक्रियाओं के साथ सहज रूप से एकीकृत है। मैन्युअल चेक-इन और बायोमेट्रिक जैसे हार्डवेयर पर निर्भरता को समाप्त करते हुए, यह टूल विशेष रूप से डिस्ट्रीब्यूटेड टीमों, फ्रंटलाइन स्टाफ और गिग वर्कफोर्स मॉडल के लिए बेहद उपयोगी साबित होता है। इस लॉन्च के साथ ऑफिसनेट ने एचआर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को और सशक्त किया है।

मुंबई में डीएवी ग्रुप चेन्नई द्वारा सिविल सेवा आईएएस की तैयारी के लिए आवासीय कार्यक्रम

मुंबई। किसी भी डिग्री को पूरा करने के बाद, जो लोग बहुत महत्वाकांक्षी, लक्ष्य-उन्मुख होते हैं, भविष्य में सफल करियर की सर्वोच्च ऊंचाइयों को छूने की प्रबल इच्छा रखते हैं, समाज सेवा के माध्यम से देश और जनहित के लिए अदम्य इच्छा रखते हैं, अकल्पनीय चुनौतियों और चुनौतियों का सामना करते हैं, वे दिल्ली का रुख करते हैं और सफलता प्राप्त करने के लिए सिविल सेवा आईएएस, आईपीएस परीक्षाओं की तैयारी शुरू करते हैं। दिल्ली में व्यवस्थित रूप से आईएएस की तैयारी करने के लिए सभी विषयों की आवश्यक पुस्तकों, कुछ या सभी विषयों की कोचिंग, आवास, भोजन और अन्य विविध खर्चों का खर्च लगभग 10 से 15 लाख रुपये प्रति वर्ष हो सकता है। कई प्रतिभाशाली और बुद्धिमान छात्र आर्थिक तंगी के कारण दिल्ली नहीं जा पाते हैं। चेन्नई मद्रास के डीएवी एसएमके फोमरा ग्रुप, (बिरला), पांडिचेरी के वैदिक विद्या केंद्र और मुंबई के महर्षि दयानंद फाउंडेशन आईएएस अकादमी के सहयोग से मुंबई, महाराष्ट्र, गुजरात के छात्रों को अब आईएएस की तैयारी के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं है। मुंबई में उपरोक्त संस्थाओं के सहयोग से सिविल सेवा आईएएस की तैयारी के लिए 10 महीने का आवासीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें विद्यार्थियों की गहन तैयारी के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के साथ-साथ सेवानिवृत्त एवं कार्यरत आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस अधिकारियों द्वारा आवास, भोजन सुविधा, मार्गदर्शन, पुस्तकें, कोचिंग सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। डीएवी ग्रुप चेन्नई के आवासीय आईएएस तैयारी के 2024-25 बैच में 9 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर आईएएस, आईपीएस एवं अन्य उच्च पदों के लिए चयन किया है।

बाबूभाई भवानजी द्वारा दादर में कुलियों के लिए योग कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को सुबह 8 बजे से दादर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 13/14 पर कुलियों के लिए योग कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह जानकारी देते हुए भवानजी ने बताया कि इस अवसर बौद्ध भिक्षु परम पूज्य वीरन महारथोजी भी उपस्थित रहेंगे, योगाचार्य भारत भूषण जी बांसुरी की धुन पर योग करेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री राम दास आठवले और योगाचार्य राजश्री बोरा भी उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम का आयोजन मुंबई बीजेपी हॉकर्स यूनिट, राजश्री कर्तव्य योग सा संस्थान और फ्लोरा फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। भवानजी ने बताया कि प्राचीन काल में हमारे ऋषि मुनि महात्मा सभी योग साधना से ज्ञान हासिल करते थे. भगवान शीव, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर ने भी योग मार्ग को अपनाया था और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीने पुरी दुनिया मे योग का प्रचार किया और उसे गौरवशाली स्थान दिलाया। भवानजी ने आगे बताया कि योग स्वस्थ जीवन जीने की एक कला और विज्ञान है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है। योग का समग्र दृष्टिकोण जीवन के सभी क्षेत्रों में सामंजस्य लाता है। योग को रोग की रोकथाम, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और कई जीवनशैली से संबंधित विकारों के प्रबंधन के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि योग शब्द का शाब्दिक अर्थ है जोड़ना या एकता। शारीरिक व्यायाम के अभ्यास से कहीं अधिक, योग व्यक्तिगत आत्म या चेतना का अनंत सार्वभौमिक चेतना या आत्मा के साथ एक साथ आना है। योग मन की प्रकृति की जांच करने की एक विधि है, जो अभ्यास और प्रत्यक्ष अनुभव पर जोर देती है। योग शरीर, मन और आत्मा के विकास के लिए एक सामंजस्यपूर्ण प्रणाली पर आधारित एक प्राचीन कला है। योग 'व्यक्तित्व के उच्चतम स्तर पर एकीकरण' को दशार्ता है। इसमें योग साहित्य में वर्णित विभिन्न अभ्यास और तकनीकें शामिल हैं और इसे सामूहिक रूप से 'योग' कहा जाता है। उन्होंने कहा कि योग समग्र स्वास्थ्य और शारीरिक तंदुरुस्ती सुनिश्चित करने का एक आदर्श तरीका है। योग के भौतिक निर्माण खंड आसन और श्वास हैं। ध्यान और श्वास अभ्यास (जिसे प्राणायाम कहा जाता है) के माध्यम से, आप अपने सभी तनाव को दूर कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। वास्तव में, यह मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे अच्छे उपचारों में से एक है, पुरानी बीमारियों को ठीक करने के लिए जिन्हें अन्य दवाओं से ठीक करना मुश्किल है। पीठ दर्द और गठिया से पीड़ित लोगों को अक्सर ऐसे आसन करने का सुझाव दिया जाता है जो रणनीतिक स्थानों पर मांसपेशियों के व्यायाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं। प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने के लिए सबसे अच्छे श्वास व्यायाम हैं।

पीएनजी ज्वेलर्स ने अपने नए 'लाइटस्टाइल' उप-ब्रांड की घोषणा की

मुंबई। भारत के सबसे पुराने और विश्वसनीय आभूषण घरानों में से एक, पीएनजी ज्वेलर्स ने आज अपने समकालीन उप-ब्रांड 'लाइटस्टाइल बाय पीएनजी' के लॉन्च की घोषणा की। १९२ वर्षों की विरासत वाले पीएनजी के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हल्के, डिजाइन-केंद्रित और रोजाना पहने जा सकने वाले बेहतरीन आभूषण पेश करके, पीएनजी ज्वेलर्स अब ग्राहकों की एक नई पीढ़ी से जुड़ रहा है।

इस अवसर पर, पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, डॉ. सौरभ गाडगिल ने कहा, लाइटस्टाइल के साथ, हम युवा उपभोक्ताओं के बीच आभूषणों के उपयोग के संबंध में हो रहे स्पष्ट बदलाव पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बहुपयोगी, हल्के वजन वाले आभूषणों की मांग अब केवल एक विशिष्ट वर्ग तक सीमित नहीं है; यह उन महिलाओं से बढ़ रहा एक बड़ा खंड है, जो आभूषणों को केवल विशेष अवसरों के लिए नहीं, बल्कि अपनी रोजमर्रा की पहचान का एक हिस्सा मानती हैं। इस श्रेणी में जबरदस्त क्षमता है, खासकर शहरी और अर्ध-शहरी भारत में, जहाँ सोने के खरीदार तेजी से बदल रहे हैं। हमारा लक्ष्य 'लाइटस्टाइल' को इस क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम बनाना है, जहाँ प्रामाणिकता, डिजाइन और दैनिक उपयोगिता सहज रूप से एक साथ आएंगे। काम की मीटिंग से लेकर सामान्य मुलाकातों तक, साथ ही त्योहारों से पहले के छोटे कार्यक्रमों के लिए 'लाइटस्टाइल' बहुपयोगी और सरल आभूषण प्रदान करता है, जो सौंदर्य और सहजता का उत्तम मिश्रण हैं। 'लाइटस्टाइल' के दो स्टोर पुणे में २२ जून २०२५ को खुलेंगे, एक खराडी में और दूसरा वाकड़ में, प्रसिद्ध अभिनेत्री सई ताम्हणकर के हाथों इन स्टोर्स का उद्घाटन होगा।

ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच भारत ने शुरू किया ऑपरेशन सिंधु

मुंबई। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। तेहरान में भारतीय दूतावास द्वारा पहले जारी की गई एडवाइजरी के बाद अब छात्रों सहित भारतीय नागरिकों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के प्रयास चल रहे हैं। ऑपरेशन के हिस्से के रूप में, विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि 17 जून को उत्तरी ईरान से 110 भारतीय छात्रों को निकाला गया। ईरान और आर्मेनिया दोनों में भारतीय मिशनों की देखरेख में भारतीय दूतावास ने उन्हें सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से आर्मेनिया में प्रवेश करने में सहायता की, जिसके बाद छात्र अर्मेनियाई राजधानी येरेवन पहुंचे। इसके बाद 19 जून की सुबह जम्मू-कश्मीर के 90 छात्रों सहित 110 छात्र नई दिल्ली पहुंचे, जहां उनका स्वागत विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने किया। भारत सरकार ने निकासी में सहयोग के लिए ईरान और आर्मेनिया की सरकारों की सराहना की है। वहीं अपनी सरजमीं पर सुरक्षित उतरने के बाद छात्रों ने भारत सरकार और भारतीय मिशनों का आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत विदेश में अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। चल रहे अभियान के हिस्से के रूप में, ईरान में हमारा दूतावास बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों को शत्रुता से प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने में सहायता करना जारी रखे हुए है, जिसका उद्देश्य उन्हें संभावित मार्गों के माध्यम से निकालना है।

बजाज फ्रीडम 125 : वो सीएनजी क्रांति जो लोगों की ज़िंदगी बदल रही है

मुंबई। भारत के बड़े शहरों की तेज रफ्तार और भीड़भाड़ भरी ज़िंदगी में, जहाँ करोड़ों लोग दो पहियों पर सवार होकर आगे बढ़ते हैं, कमाते हैं और अपने सपनों को जीते हैं, बजाज ऑटो लिमिटेड ने एक ऐसा वाहन तैयार किया है जो खास मकसद से बना है, दमदार परफॉरमन्स देता है और तरक्की को नई रफ्तार देता है। बजाज फ्रीडम 125 सीएनजी, दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकल, डिलिवरी रायडर्स और गिग इकोनॉमी में काम करने वालों की ज़िंदगी बदल रही है। बेहतरीन माइलेज, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और अफॉर्डेबल कीमत के साथ यह बाइक आज के चुनौतीपूर्ण हालात में राइडर्स के लिए एक समझदारी भरा विकल्प बन गई है। पेट्रोल की बढ़ती कीमतें अब भी जेब पर भारी पड़ रही हैं और शहरों में रायडर्स रोजाना 50 से 250 किलोमीटर तक सफर कर रहे हैं। ऐसे में फ्रीडम 125 का ड्युअल-फ्यूल सिस्टम (सीएनजी + पेट्रोल) गेम चेंजर साबित हो रहा है। यह बाइक कम ईंधन खर्च में लंबी दूरी तय करने में सक्षम है और शहरी आवागमन को कम उत्सर्जन वाला और पर्यावरण के अनुकूल बनाती है। हर रुपये का ज्यादा से ज्यादा फायदा दिलाने के लिए तैयार की गई यह बाइक न सिर्फ ईंधन का खर्च आधा कर रही है, बल्कि भारत के शहरों के लिए एक हरित और कम उत्सर्जन वाला भविष्य भी बना रही है। असली राइडर्स. असली बचत. असली बदलाव-फ्रीडम 125 के 54 मालिकों पर किए गए हालिया सर्वे में 45% राइडर्स ने बताया कि अपनी पुरानी बाइकों के मुकाबले अब वे हर महीने ईंधन पर 50 से 60 प्रतिशत तक की बचत कर रहे हैं। कई लोगों के लिए यह बचत सिर्फ खर्च कम करने का तरीका नहीं, बल्कि सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने सहरसा और पटना में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

सहरसा/पटना। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने सहरसा और बाजार समिति, पटना, बिहार में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इन लॉन्च के साथ, बैंक ने बिहार में 267 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 1,098 आउटलेट खोले हैं। सहरसा और पटना के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक समूह से लाभ मिलेगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे कि आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के विरुद्ध ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, ₹सहरसा और बाजार समिति, पटना में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट का शुभारंभ शहरी और ग्रामीण बिहार में वित्तीय पहुंच के अंतर को पाटने के हमारे मिशन को उजागर करता है। कोसी क्षेत्र में स्थित सहरसा में एक गहरा कृषि आधार और एक मजबूत सामुदायिक भावना है, जबकि पटना में बाजार समिति राज्य की राजधानी के भीतर एक प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र के रूप में कार्य करती है। समावेशी वित्तीय सेवाओं की हमारी विस्तृत श्रृंखला के साथ, हम प्रत्येक स्थान की अनूठी जरूरतों को पूरा करने, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और पूरे क्षेत्र में आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये बैंकिंग आउटलेट वंचित या कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को व्यवसाय विकास सेवाओं के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेंगे, जिनकी वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच है। समूह ऋण के जेएलजी मॉडल में एक सहकर्मी-गारंटी ऋण मॉडल शामिल है जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत आधार पर संपार्श्विक या सुरक्षा प्रदान किए बिना ऋण लेने में सक्षम बनाता है, जबकि समूह के भीतर आपसी समर्थन के माध्यम से ऋण अनुशासन को बढ़ावा देता है और उनके ऋणों का शीघ्र पुनर्भुगतान करता है। ग्राहक बैंकिंग आउटलेट, माइक्रो एटीएम (बैंकिंग घंटों के दौरान), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और कॉल सेंटर जैसे विभिन्न चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक ग्राहकों को टैबलेट-आधारित एप्लिकेशन-सहायता प्राप्त मॉडल, ₹डिजी ऑन-बोर्डिंग₹ के माध्यम से बैंकिंग आउटलेट पर जाए बिना बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करता है।

शिक्षकों को सशक्त बनाने की पहल

मुंबई। साउथ इंडियन एजुकेशन सोसाइटी (एसआईईएस) ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ मिलकर अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम 'परिवर्तन' के अंतर्गत, एसआईईएस इंस्टीट्यूट ऑफ कॉम्प्रिहेन्सिव एजुकेशन (एसआईईएस-आईसीई) के माध्यम से एक परिवर्तनकारी सामाजिक पहल की घोषणा की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन (प्रारंभिक बाल शिक्षा) में करियर बनाने की इच्छुक पात्र महिला उम्मीदवारों को 85% तक की छात्रवृत्ति प्रदान करना है । यह संयुक्त पहल न केवल महिला सशक्तिकरण के मिशन को मजबूत करता है, बल्कि भारत की शिक्षा प्रणाली की नींव माने जाने वाले प्रारंभिक बाल शिक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की अत्यावश्यक आवश्यकता को भी पूरा करता है। 1980 में स्थापित एसआईईएस-आईसीई ने अब तक 5,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है और इसके स्नातकों के लिए लगातार 100% प्लेसमेंट हासिल किया है। संस्थान के कार्यक्रमों में फाउंडेशनल ईयर टीचर ट्रेनिंग, काउंसलिंग, और स्पेशल एजुकेशन जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिनमें ऑनलाइन डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेस की पहल भी की गई है। एसआईईएस-आईसीई को इसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है। अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए अब आवेदन खुले हैं, और 2025-26 के आगामी शैक्षणिक सत्र में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले नए बैच के साथ इसकी शुरूआत होगी। यह पहल उद्देश्यपूर्ण शिक्षा और समावेशी वित्तीय सहयोग का शक्तिशाली संगम है, जो शिक्षकों और उनके द्वारा तैयार किए जाने वाले बच्चों दोनों का भविष्य उज्ज्वल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मो. अरशद बने राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के मीडिया प्रभारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत), जिला इकाई द्वारा खेतासराय निवासी मोहम्मद अरशद को जिला मीडिया प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उनके मनोयन से सगंठन में हर्ष व्याप्त हो गया ।इस संबंध में जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने बताया कि यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन व निदेर्शानुसार की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मोहम्मद अरशद संगठन की गरिमा, उद्देश्य और सिद्धांतों को प्राथमिकता देते हुए निष्ठा और ईमानदारी से पत्रकार हित में कार्य करेंगे तथा संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे ।इस अवसर पर उपाध्यक्ष इम्तियाज सिद्दीकी और महासचिव रियाजुल हक सहित संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने भी नवनियुक्त मीडिया प्रभारी को बधाई दी है ।

बुजुर्ग ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या, क्षेत्र में फैली सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना चंदवक क्षेत्र अंतर्गत हीरापुर मचहटी गांव के निवासी 62 वर्षीय सुदामा राम का शुक्रवार को फांसी लगाने से निधन हो गया। सुदामा राम अपने पीछे बेटी पूनम राम और दामाद संजय राम को छोड़ गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुदामा राम ने अज्ञात कारणों से अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही चंदवक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

दामाद संजय राम ने बताया कि सुदामा राम पिछले कुछ समय से तनाव में थे ।लेकिन आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। ग्रामीणों ने उन्हें एक शांत और मिलनसार व्यक्ति के रूप में याद किया।

थाना प्रभारी चंदवक ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दुखद घटना ने पूरे गांव में सन्नाटा पसार दिया है।